website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 211 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 10 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामीबिया की राष्ट्रपति से भेंट की

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामीबिया की अपनी राजकीय यात्रा के पर आज राजधानी विंडहोक स्थित स्टेट हाउस में नामीबिया की राष्ट्रपति, महामहिम डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से भेंट की। राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा ने स्टेट हाउस पहुँचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी की एक औपचारिक स्वागत भी किया गया। पिछले 27 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नामीबिया की यह पहली यात्रा है। इस वर्ष मार्च में पदभार ग्रहण करने के बाद राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा द्वारा किसी राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली द्विपक्षीय राजकीय यात्रा भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नामीबिया की राष्ट्राध्यक्ष चुने जाने पर राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा को बधाई दी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के गौरवशाली इतिहास का स्मरण किया। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष नामीबिया के संस्थापक डॉ. सैम नुजोमा के निधन पर शोक व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी और यूपीआई, कृषि, स्वास्थ्य और फार्मा, ऊर्जा तथा महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस संबंध में अब भी पूरी क्षमता का उपयोग किया जाना शेष है। इस संबंध में, उन्होंने भारत-एसएसीयू पीटीए पर चर्चा में तेजी लाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत नामीबियाई विशेषज्ञों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से विकास सहयोग के प्रयासों को बढ़ाएगा और नामीबिया में विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण के क्षेत्रों में त्वरित प्रभाव विकास परियोजनाओं के लिए भारत के समर्थन की पेशकश की। प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि कार्यों के लिए ड्रोन के उपयोग में भारत के अनुभव को साझा किया। यह एक ऐसी परियोजना है जो नामीबिया के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में चीता संरक्षण परियोजना में नामीबिया के सहयोग के लिए राष्ट्रपति नंदी-नदैतवाह को धन्यवाद दिया। उन्होंने नामीबिया को अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया।

दोनों नेताओं ने आपसी हितों के वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों को दिए गए मज़बूत समर्थन और एकजुटता के लिए नामीबिया का आभार व्यक्त किया। दोनों नेता आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई को मज़बूत करने पर भी सहमत हुए। उन्होंने ग्लोबल साउथ की आवाज़ को बुलंद करने के लिए मिलकर काम करने की भी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने वार्ता के बाद स्वास्थ्य और उद्यमिता के क्षेत्र में दो समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा, यह घोषणा भी की गई कि नामीबिया आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल हो गया है और यह यूपीआई तकनीक अपनाने के लिए लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश है।

राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा ने प्रधानमंत्री के सम्मान में एक भोज का आयोजन भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर भारत आने का निमंत्रण दिया।

लॉरेंस गैंग चला रही है विदेश से सोने की तस्करी का नेटवर्क

जयपुर। लॉरेंस बिश्नोई गैंग विदेशों से सोने की तस्करी का नेटवर्क चला रही है। गैंग के गुर्गे फिरौती से मिले पैसों से सोना खरीदते हैं और देश के अलग-अलग एयरपोर्ट्स पर भेजते हैं। बाद में उस सोने को बेचकर हथियार, फर्जी पासपोर्ट, प्रॉपर्टी और गैंग के सदस्यों को विदेश भेजने के काम में पैसा खर्च किया जाता है। इस बात का खुलासा जयपुर की करधनी थाना पुलिस की गिरफ्त में आए लॉरेंस गैंग के तीन गुर्गों से पूछताछ में हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों में सूरज गुर्जर, इमरान और भवानी सिंह शामिल हैं। करधनी थाना प्रभारी सवाई सिंह ने बताया कि यह मामला साल 2024 में हुए एक मर्डर की जांच के दौरान सामने आया। पहले जयसिंह पीड़वा के खिलाफ FIR दर्ज हुई थी, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस ने सूरज, इमरान और भवानी को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपी लॉरेंस, रोहित गोदारा और अमरजीत बिश्नोई गैंग के लिए काम करते हैं। गैंग के यह गुर्गे जयपुर से फिरौती का पैसा विदेश भेजते थे। वहीं से लॉरेंस गैंग सोना मंगवाकर उसे बेचती और उस पैसे का इस्तेमाल गैंग की गतिविधियों के लिए करती थी।

घर बनाने के लिए 7 लाख रुपए की मदद देगी हिमाचल सरकार

हिमाचल प्रदेश। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंडी जिले के आपदा प्रभावित सराज विधानसभा क्षेत्र के बगश्याड़ में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के घर बादल फटने और बाढ़ से बह गए हैं, उन्हें नया घर बनाने के लिए राज्य सरकार 7 लाख रुपए की आर्थिक मदद देगी। इसके लिए जल्द ही कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव लाया जाएगा ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने प्रभावितों से बातचीत में कहा कि भविष्य में नदी-नालों के किनारे घर बनाने से बचें और नए घर 50 से 100 मीटर दूर बनाएं, ताकि आपदा के समय जान-माल की हानि न हो। सीएम सुक्खू ने राहत शिविर में रह रहे लोगों के साथ भोजन भी किया और सभी को हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें पुनर्वास में कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रभावितों के लिए राहत कार्यों के बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। जिन परिवारों की गाय आपदा में बह गई है, उन्हें नई गाय खरीदने के लिए राज्य सरकार 50 हजार रुपए की सहायता देगी। मुख्यमंत्री ने बगश्याड़ में लोगों से बात करते हुए कहा कि आपदा में हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार हर कदम पर साथ देगी।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा भी बगश्याड़ पहुंचे और प्रभावितों से मुलाकात की। नड्डा ने कहा कि हिमाचल के इस मुश्किल समय में भारत सरकार राज्य के साथ मजबूती से खड़ी है। केंद्र और राज्य मिलकर राहत और पुनर्वास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री सुक्खू बगश्याड़ के बाद पांडवशीला और थुनाग में भी राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। प्रभावितों को जल्द से जल्द सहायता पहुंचाने के लिए प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं ताकि लोग फिर से सामान्य जीवन में लौट सकें।

राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग तेज़

-राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों का अनोखा प्रदर्शन, नेताओं के कटआउट के साथ निकाली रैली

जयपुर | राजस्थान में छात्र राजनीति की बहाली की मांग एक बार फिर ज़ोर पकड़ने लगी है। राजस्थान यूनिवर्सिटी (आरयू) में बुधवार को छात्रों ने अनोखे अंदाज़ में प्रदर्शन करते हुए छात्रसंघ चुनाव की बहाली की मांग की। छात्रों ने उन राजनेताओं के कट-आउट के साथ रैली निकाली जो छात्रसंघ चुनावों से निकलकर आज देश और प्रदेश की मुख्यधारा की राजनीति में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जैसे नाम शामिल हैं।

कटआउट प्रदर्शन के पीछे संदेश

प्रदर्शन कर रहे छात्र नेताओं का कहना था कि सरकार यह मानती है कि छात्रसंघ चुनावों से कोई परिणाम नहीं निकलता, जबकि हकीकत यह है कि कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नेता इन्हीं चुनावों की पाठशाला से निकले हैं।

छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने कहा —

"अगर शरीर के किसी अंग में चोट होती है, तो उसका इलाज किया जाता है, पूरे शरीर को खत्म नहीं किया जाता। इसी तरह अगर छात्रसंघ चुनावों से किसी को समस्या है, तो समाधान निकालिए, न कि पूरे चुनाव ही बंद कर दीजिए।"

2 साल से चल रहा आंदोलन

छात्रों का कहना है कि वे बीते दो वर्षों से लगातार शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। बुधवार को प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन और राज्य सरकार तक अपनी आवाज़ पहुंचाने की कोशिश की।

शुभम रेवाड़ ने चेतावनी दी कि—

"अगर सरकार ने हमारी जायज मांग नहीं मानी, तो आने वाले समय में बड़ा और उग्र आंदोलन किया जाएगा।"

बड़ा सवाल: लोकतांत्रिक प्रशिक्षण या राजनीतिक दबाव?

राजस्थान सरकार द्वारा छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगाने के पीछे प्रशासनिक कारण बताए गए थे, लेकिन लगातार उठती छात्रों की आवाज़ इस सवाल को फिर खड़ा कर रही है कि क्या यह रोक वास्तव में छात्रों के भले के लिए है, या फिर राजनीतिक नियंत्रण की कोशिश?

छात्रों का मानना है कि छात्रसंघ चुनाव ना केवल नेतृत्व कौशल को निखारने का माध्यम हैं, बल्कि लोकतंत्र की पहली कक्षा भी हैं, जिससे युवा राजनीति और प्रशासन की प्रक्रिया को करीब से समझते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 'उदयपुर फाइल्स' पर रोक से किया इनकार

-कहा – फिल्म रिलीज होने दें, आपत्ति है तो हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली। देश को झकझोर देने वाले कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और याचिकाकर्ता से कहा है कि अगर कोई आपत्ति है, तो वह संबंधित हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं।

यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की बेंच ने सुनाया। याचिका हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद की ओर से लगाई गई थी, जिसमें कहा गया था कि फिल्म की रिलीज से केस का ट्रायल प्रभावित हो सकता है।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने?

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया — "हम फिल्म पर रोक नहीं लगाएंगे। अगर याचिकाकर्ता को कोई आपत्ति है, तो वह हाईकोर्ट जा सकते हैं।"

11 जुलाई को रिलीज होगी 'उदयपुर फाइल्स'

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' का निर्देशन भरत एस. श्रीनाथे ने किया है और निर्माता हैं अमित जानी। फिल्म में कन्हैयालाल की भूमिका निभा रहे हैं विजय राज। साथ ही रजनीश दुग्गल और प्रीति झांगियानी भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म की कहानी साल 2022 में हुए उस निर्मम हत्याकांड पर आधारित है, जिसमें उदयपुर के टेलर कन्हैयालाल की दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने हत्या का वीडियो भी वायरल किया था, जिससे देशभर में आक्रोश फैल गया था।

दिल्ली हाईकोर्ट में भी लगी है याचिका

इस फिल्म को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष और दारुल उलूम देवबंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में भी याचिका लगाई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि फिल्म का ट्रेलर धार्मिक भावनाएं भड़काने वाला है और इससे सांप्रदायिक तनाव फैल सकता है।

भारतीय नौसेना के लिए तीसरे फ्लीट सपोर्ट शिप की 'कील लेइंग' समारोह

दिल्ली। तीसरे फ्लीट सपोर्ट शिप (एफएसएस) का 'कील लेइंग' समारोह 9 जुलाई 2025 को मेसर्स एलएंडटी शिपयार्ड, कट्पल्ली में आयोजित किया गया । इस समारोह में वी एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन, नियंत्रक युद्धपोत उत्पादन और अधिग्रहण और भारतीय नौसेना, एचएसएल और मेसर्स एलएंडटी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। भारतीय नौसेना ने अगस्त 2023 में पांच फ्लीट सपोर्ट शिप (एफएसएस) के अधिग्रहण के लिए एचएसएल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। जिसकी डिलीवरी 2027 के मध्य में शुरू होनी है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी की शक्ति प्रदर्शन करते हुए, एचएसएल ने देश की जहाज निर्माण क्षमता का प्रभावी ढंग से उपयोग करने और डिलीवरी के लिए कड़े समय-सीमा को पूरा करने के लिए मेसर्स एलएंडटी शिपयार्ड, कट्पल्ली को दो जहाजों के निर्माण का उप-अनुबंध दिया है। नौसेना में शामिल होने पर, एफएसएस समुद्र में बेड़े के जहाजों की पुनःपूर्ति के माध्यम से भारतीय नौसेना की 'ब्लू वाटर' क्षमताओं को मज़बूत करेगा। 40,000 टन से अधिक विस्थापन क्षमता वाले ये जहाज ईंधन, पानी, गोला-बारूद और भंडार ले जाएंगे जो समुद्र में बेड़े के दीर्घकालिक और निरंतर संचालन को सक्षम बनाते हैं, जिससे इसकी पहुंच और गतिशीलता में वृद्धि होती है। अपनी सहायक भूमिका में, ये जहाज प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कर्मियों को निकालने और राहत सामग्री के शीघ्र वितरण हेतु मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों के लिए सुसज्जित होंगे।

स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित यह युद्धपोत भारतीय ओईएम से प्राप्त उपकरणों से सुसज्जित है। यह प्रतिष्ठित परियोजना भारतीय जहाज निर्माण उद्योग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगी और आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड जैसी भारत सरकार की पहलों का एक सच्चा समर्थक है ।

गहलोत ने की छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग

-युवाओं ने किया पलटवार – "बंद तो आपने ही किए थे"

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव को लेकर जारी बहस अब राजनीतिक रंग लेने लगी है। बुधवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्र नेताओं ने एक अनोखा प्रदर्शन किया, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई बड़े नेताओं के कटआउट लेकर छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग की गई। यह सभी नेता छात्र राजनीति से निकलकर आज मुख्यधारा की राजनीति में पहुंचे हैं।

इस प्रदर्शन का समर्थन करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक पोस्ट की और सरकार से अविलंब छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की। गहलोत ने लिखा कि छात्रसंघ चुनाव युवाओं के लिए राजनीति की नींव हैं और उन्हें रोकना सही नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके कार्यकाल में चुनाव केवल इसलिए स्थगित किए गए थे क्योंकि उस समय विधानसभा चुनाव का वर्ष था।

हालांकि गहलोत की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया का कारण बन गई। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए पलटवार किया कि छात्रसंघ चुनावों को बंद करने की शुरुआत ही उनकी सरकार में हुई थी। एक यूजर ने लिखा, "बंद तो आपने ही किए थे साहब", वहीं एक अन्य ने सवाल किया, "अब कह रहे हैं करवाओ, पहले क्यों नहीं करवाए?"

हालांकि कुछ यूजर्स ने गहलोत के रुख का समर्थन भी किया और छात्रसंघ चुनावों को फिर से शुरू करने की मांग को सही ठहराया। सोशल मीडिया पर इस बहस से यह साफ हो गया है कि छात्र राजनीति को लेकर प्रदेश के युवाओं में गहरी संवेदना और सक्रियता है, और इस मुद्दे पर सरकार व पूर्व सरकार दोनों की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में हुआ प्रदर्शन अब एक बड़े जनमत की शक्ल लेता जा रहा है और यह साफ संकेत दे रहा है कि छात्रसंघ चुनाव की बहाली अब सिर्फ छात्र नहीं, बल्कि समाज और सियासत दोनों की अपेक्षा बन चुकी है।

"वोटर लिस्ट में कोई गैर भारतीय नहीं रहेगा": चुनाव आयोग का बिहार मॉडल पूरे देश में लागू करने का फैसला

बिहार । देश की चुनावी प्रणाली को मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। बिहार में हाल ही में शुरू की गई मतदाता सूची की स्क्रीनिंग प्रक्रिया अब पूरे देश में लागू की जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत चुनाव आयोग घर-घर जाकर मतदाताओं की नागरिकता की पुष्टि करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वोटर लिस्ट में सिर्फ भारतीय नागरिक ही शामिल रहें और कोई विदेशी घुसपैठिया या फर्जी नाम न जुड़ा रहे।

चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार यह कदम चुनावी पारदर्शिता को बनाए रखने और फर्जी मतदान की संभावनाओं को समाप्त करने के लिए उठाया गया है। सूत्रों का कहना है कि अगली बारी उन राज्यों की है जहां वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इनमें असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी शामिल हैं। इन राज्यों में बिहार की तरह व्यापक स्तर पर वोटर वेरिफिकेशन अभियान चलाया जाएगा।

असम और बंगाल में यह कवायद खास रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौजूदगी को लेकर पहले से ही राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। भाजपा और अन्य दलों द्वारा बार-बार यह मुद्दा उठाया गया है कि यहां बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी वोटिंग प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। अब जब चुनाव आयोग खुद इस दिशा में ठोस कार्रवाई की योजना बना चुका है, तो इसकी राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज हो गई है।

चुनाव आयोग की योजना है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले देश के सभी राज्यों की वोटर लिस्ट की स्क्रीनिंग पूरी कर ली जाए। इसके अगले चरण में उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों का नंबर है, जहां 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। साथ ही 2028-29 में करीब 17 राज्यों के चुनाव भी प्रस्तावित हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए यह राष्ट्रीय स्तर का अभियान तैयार किया गया है।

हालांकि इस पूरे अभियान को लेकर विपक्ष ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग यह जिम्मेदारी निभाकर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जा रहा है, क्योंकि नागरिकता की पुष्टि करना सरकार का काम है, न कि चुनाव आयोग का। विपक्षी दलों और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (ADR) की ओर से सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर याचिका दाखिल की गई है, जिसमें यह भी तर्क दिया गया है कि नागरिकता प्रमाण के तौर पर आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज मान्य नहीं हो सकते। खासतौर पर बिहार जैसे राज्य में, जहां 90% लोगों के पास यही दस्तावेज हैं और लाखों लोग दूसरे राज्यों में मजदूरी या नौकरी के लिए जाते हैं, वहां यह प्रक्रिया बड़ी चुनौती बन सकती है।

राजस्थान में भारी बारिश से बिगड़े हालात, 27 जिलों में अलर्ट जारी

-बनास नदी में युवक की डूबने से मौत

राजस्थान में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और कई जिलों में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बुधवार को उत्तर-पूर्वी राजस्थान के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, लेकिन हनुमानगढ़ में हालात बिगड़ गए, जहां लगातार 9 घंटे तक हुई बारिश से घरों में पानी भर गया। यहां तक कि कलेक्टर और एसपी के दफ्तर भी जलमग्न हो गए। बीकानेर में दोपहर को अचानक तेज बारिश हुई, जिससे कलेक्ट्रेट परिसर के चारों ओर पानी ही पानी नजर आया। श्रीगंगानगर, चूरू और हनुमानगढ़ में बारिश और आंधी के चलते तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई।

बारिश के कारण एक दुखद घटना भी सामने आई है। सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा तहसील क्षेत्र में बनास नदी की रपट पर नहा रहे एक युवक की डूबने से मौत हो गई। लगातार हो रही बारिश ने नदियों और रपटों में जलस्तर को बढ़ा दिया है, जिससे ऐसे स्थानों पर खतरा और बढ़ गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत में जाति की उत्पत्ति और उसका सच: एक ईमानदार पड़ताल

भारत में जाति व्यवस्था का इतिहास बहुत पुराना है और इसके पीछे कई सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं। जब हम जाति व्यवस्था की उत्पत्ति की बात करते हैं, तो इसके तार हमें वैदिक काल तक ले जाते हैं। ऋग्वेद में वर्ण व्यवस्था का ज़िक्र मिलता है, जिसमें समाज को मुख्यतः चार भागों में बांटा गया था – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। इस व्यवस्था का उद्देश्य उस समय समाज में कार्यों के आधार पर जिम्मेदारियां बांटना था, ताकि समाज सुचारू रूप से चल सके। परन्तु धीरे-धीरे यह व्यवस्था जन्म आधारित हो गई और सामाजिक भेदभाव का रूप लेने लगी। आरंभ में वर्ण व्यवस्था में लचीलापन था। व्यक्ति अपने कर्मों और योग्यताओं के आधार पर वर्ण बदल सकता था। जैसे कोई व्यक्ति अगर युद्ध कला में माहिर होता तो वह क्षत्रिय बन सकता था, और अगर किसी में शिक्षा का गुण होता तो वह ब्राह्मण के रूप में कार्य कर सकता था। लेकिन समय बीतने के साथ-साथ ब्राह्मणों और शासकों ने अपने हित के लिए इस व्यवस्था को जन्म आधारित बना दिया, ताकि उनके अधिकार और विशेषाधिकार सुरक्षित रहें। यही वह मोड़ था जहां जाति व्यवस्था ने कठोर और विभाजनकारी रूप धारण कर लिया। जाति व्यवस्था ने भारतीय समाज में असमानता और ऊँच-नीच की भावना को जन्म दिया। उच्च जातियों ने अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए निम्न जातियों पर सामाजिक और आर्थिक बंधन लगाए। उन्हें मंदिरों में प्रवेश करने, शिक्षा प्राप्त करने और सार्वजनिक स्थलों पर समानता से उपयोग करने से वंचित रखा गया। दलितों और शूद्रों को समाज के हाशिए पर धकेल दिया गया। उनके कार्यों को अपवित्र घोषित कर दिया गया, जैसे चमड़े का काम, सफाई कार्य आदि, जिससे उनका शोषण होता रहा और वे पीढ़ियों तक गरीबी और अपमान में जीवन जीने को मजबूर होते रहे। भारत में जाति व्यवस्था को धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं ने भी मज़बूती दी। Manusmriti जैसे ग्रंथों में जाति व्यवस्था को धार्मिक आधार पर सही ठहराया गया, जिससे समाज में यह व्यवस्था गहराई तक स्थापित हो गई। राजा और धर्मगुरु दोनों ने अपने-अपने हितों के लिए इस व्यवस्था को बढ़ावा दिया। धीरे-धीरे यह व्यवस्था गांवों और कस्बों में मजबूत होती गई और लोगों के जीवन में इतनी गहराई तक समा गई कि इसे चुनौती देना कठिन हो गया। हालांकि भारतीय इतिहास में कई संतों और सुधारकों ने जाति व्यवस्था के खिलाफ आवाज़ उठाई। संत कबीर, गुरु नानक, ज्योतिबा फुले, और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जाति व्यवस्था के अन्याय के खिलाफ अपने विचार रखे। बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान निर्माण के दौरान जाति व्यवस्था को समाप्त करने और समानता स्थापित करने का प्रयास किया। संविधान में अस्पृश्यता को अपराध घोषित किया गया और सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए गए। इसके बावजूद, सामाजिक स्तर पर जाति व्यवस्था आज भी समाप्त नहीं हो पाई है और कई क्षेत्रों में लोगों को आज भी जाति के आधार पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है। भारत में जाति व्यवस्था का सच यही है कि यह एक मानव निर्मित व्यवस्था है, जो समय के साथ बदलती रही और धीरे-धीरे भेदभाव का साधन बन गई। इस व्यवस्था ने समाज को बाँट दिया और भाईचारे तथा इंसानियत के मूल्यों को कमजोर कर दिया। जाति व्यवस्था ने समाज में आर्थिक असमानता और शिक्षा में पिछड़ापन भी पैदा किया।

अनुसूचित जाति का अर्थ तो हमको पता है, लेकिन अनुसूचित का मतलब जानते है क्या?

-अनुसूचित का सच: क्यों आज भी इसकी ज़रूरत है

जब भी आप अखबार में, किताबों में या किसी सरकारी दस्तावेज में पढ़ते हैं – "अनुसूचित जाति", "अनुसूचित जनजाति" – तो आपने कभी सोचा कि "अनुसूचित" शब्द का अर्थ क्या है? हम में से अधिकतर लोग समझते हैं कि यह किसी जाति या जनजाति के बारे में है, लेकिन असल में यह शब्द भारतीय संविधान से जुड़ा हुआ है, और इसके पीछे एक बहुत गहरा सामाजिक, ऐतिहासिक और न्यायपूर्ण अर्थ छुपा हुआ है। आइये इसे धीरे-धीरे, एक-एक परत खोलकर समझते हैं।

अनुसूचित का शाब्दिक अर्थ क्या है?

"अनुसूचित" का अर्थ होता है - "जो किसी सूची में दर्ज किया गया हो।" Schedule का हिंदी में अर्थ "अनुसूची" होता है, और "अनुसूचित" का अर्थ है "अनुसूची में शामिल।" यानी "अनुसूचित जाति" का अर्थ है - वह जातियाँ जो भारत के संविधान की अनुसूचियों (Schedules) में शामिल हैं।

संविधान में अनुसूचित का मतलब क्या है?

भारतीय संविधान में कुल 12 अनुसूचियाँ (Schedules) हैं। इनमें से अनुसूची संख्या 5 और अनुसूची संख्या 6 जनजातीय क्षेत्रों से जुड़ी हैं। "अनुसूचित जाति" और "अनुसूचित जनजाति" के संदर्भ में संविधान की अनुच्छेद 341 और अनुच्छेद 342 महत्वपूर्ण हैं। अनुच्छेद 341 कहता है कि राष्ट्रपति भारत सरकार की सलाह पर एक आदेश के द्वारा उन जातियों को घोषित कर सकते हैं जिन्हें "अनुसूचित जाति" माना जाएगा। इसी तरह, अनुच्छेद 342 में "अनुसूचित जनजाति" को परिभाषित करने की प्रक्रिया बताई गई है। इस प्रकार, जो जातियाँ या जनजातियाँ संविधान की अनुसूची में दर्ज कर दी गईं, उन्हें ही "अनुसूचित" कहा गया।

अनुसूचित क्यों बनाया गया?

भारत में सदियों से जाति व्यवस्था रही है। इस व्यवस्था में कई जातियों और जनजातियों को समाज में सबसे निचले स्तर पर रखा गया। उन्हें शिक्षा, मंदिर प्रवेश, सार्वजनिक स्थानों पर जाने, अच्छा रोजगार पाने, आर्थिक रूप से उन्नति करने जैसे अधिकार नहीं दिए गए।

इन जातियों ने लंबे समय तक:

छुआछूत
भेदभाव
सामाजिक अपमान
आर्थिक शोषण
शैक्षणिक वंचना
का सामना किया।

आज़ादी के बाद हमारे संविधान निर्माताओं ने महसूस किया कि यदि इन जातियों और जनजातियों को बराबरी पर लाना है, तो इनके लिए विशेष कदम उठाने होंगे। इसलिए इन जातियों को संविधान में अलग सूची (Schedule) में दर्ज किया गया, ताकि इन्हें:

आरक्षण
शिक्षा में विशेष सुविधा
सरकारी नौकरियों में आरक्षण
राजनीतिक प्रतिनिधित्व
जैसे अधिकार देकर मुख्यधारा में लाया जा सके।

इस तरह, "अनुसूचित" शब्द ने सिर्फ एक "लिस्ट" नहीं, बल्कि समानता और सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम का रूप लिया।

अनुसूचित जातियों की पहचान कैसे की गई?

जब संविधान बना, तब डॉ. भीमराव आंबेडकर, जो खुद दलित समुदाय से थे और संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, उन्होंने और उनकी टीम ने उन जातियों को चिन्हित किया जो:

सामाजिक रूप से पिछड़ी हुई थीं।
आर्थिक रूप से कमजोर थीं।
ऐतिहासिक रूप से छुआछूत और भेदभाव का शिकार रही थीं।

राज्यों से डेटा मंगाया गया, सर्वेक्षण कराए गए, और इसके आधार पर पहली सूची बनाई गई। समय-समय पर राज्यों की सिफारिश पर नई जातियों को भी इस सूची में शामिल किया गया या हटाया गया।

अनुसूचित का महत्व क्यों है?

आप सोच सकते हैं कि आज़ादी के इतने साल बाद भी "अनुसूचित" शब्द की ज़रूरत क्यों है?

इसका उत्तर सीधा है - आज भी अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लोग शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक सम्मान जैसी चीज़ों में पीछे हैं। जातिवाद और भेदभाव आज भी मौजूद है। "अनुसूचित" का टैग इन समुदायों को यह पहचान देता है कि ये सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता पा सकें। इसकी वजह से:

सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिलता है।
शिक्षा में प्रवेश और स्कॉलरशिप में लाभ मिलता है।
राजनीति में विधानसभा और लोकसभा में सीट आरक्षित रहती है।
सरकारी योजनाओं में आर्थिक सहायता मिलती है।

क्या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अलग हैं?

हाँ, ये अलग हैं। अनुसूचित जाति (SC): वे जातियाँ जो हिंदू समाज की जाति व्यवस्था में निचले पायदान पर रही हैं और ऐतिहासिक रूप से छुआछूत और सामाजिक भेदभाव झेलती आई हैं। अनुसूचित जनजाति (ST): वे समुदाय जो जंगलों, पहाड़ों, सीमांत क्षेत्रों में रहते आए हैं और जिनकी अपनी सांस्कृतिक, सामाजिक और जीवनशैली की विशेषताएँ हैं। दोनों को "अनुसूचित" इस वजह से कहा गया कि इनका नाम संविधान की अनुसूची में शामिल किया गया है।

"अनुसूचित" का सामाजिक और संवैधानिक महत्व

1 समानता की ओर कदम: अनुसूचित जाति और जनजातियों को आरक्षण और विशेष सुविधाएँ देकर समाज में समानता लाने की कोशिश की जा रही है।
2 सशक्तिकरण का माध्यम: यह व्यवस्था इन समुदायों को शिक्षा और रोजगार में बढ़त देकर सशक्त बना रही है।
3 संवैधानिक सुरक्षा: संविधान द्वारा प्रदत्त पहचान इन जातियों को सुरक्षा देती है कि इनके अधिकार छीने नहीं जा सकें।
4 आर्थिक उत्थान: आर्थिक योजनाओं में प्राथमिकता और सब्सिडी देकर इन्हें गरीबी रेखा से ऊपर उठाने की कोशिश की जाती है।
5राजनीतिक प्रतिनिधित्व: लोकतंत्र में इनकी आवाज़ सुनी जा सके, इसके लिए सीट आरक्षित की जाती है।

"अनुसूचित" शब्द को लेकर गलतफहमियाँ

1 यह कोई गाली या ताना नहीं है। यह एक संवैधानिक टैग है, जो समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए दिया गया है।
2 यह स्थायी नहीं है। संविधान में संशोधन द्वारा सूची में बदलाव किया जा सकता है।
3 सिर्फ हिंदू नहीं, बल्कि सिख और बौद्ध धर्म मानने वाले भी SC में आ सकते हैं।

अनुसूचित जातियों की वर्तमान स्थिति

आज भी अनुसूचित जातियों को:
शिक्षा में ड्रॉपआउट रेट ज्यादा है।
गरीब और बेरोजगारी दर ज्यादा है।
सामाजिक भेदभाव की घटनाएँ सामने आती रहती हैं।
जमीन और संपत्ति में भागीदारी कम है। हालाँकि, आरक्षण और योजनाओं का फायदा मिलने के बाद अब कई SC/ST समुदाय के लोग अच्छी शिक्षा पा रहे हैं, सरकारी नौकरी में आ रहे हैं, और समाज में सम्मान हासिल कर रहे हैं।

आरक्षण का विवाद

कुछ लोग कहते हैं कि आरक्षण को अब बंद कर देना चाहिए, जबकि कुछ कहते हैं कि अभी भी यह ज़रूरी है। जब तक "समान अवसर" और "समान स्तर" की स्थिति नहीं आती, तब तक संविधान में दिया गया यह "अनुसूचित" टैग और इससे जुड़ी व्यवस्थाएँ बहुत महत्वपूर्ण रहेंगी।

"अनुसूचित" का भविष्य

यदि समाज में सच्चे अर्थों में समानता और समरसता आ जाए, तो "अनुसूचित" जैसे टैग की ज़रूरत नहीं रह जाएगी। लेकिन जब तक समाज में जाति-आधारित भेदभाव रहेगा, तब तक "अनुसूचित" के अर्थ और महत्व को समझना और उसका सम्मान करना ज़रूरी है। "अनुसूचित" शब्द सिर्फ एक "लिस्ट" का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक संघर्ष और संविधान की भावना का प्रतीक है, जिसमें हर भारतीय को समान अधिकार और सम्मान से जीने का हक़ दिलाने की कोशिश की गई है।

डॉ. आंबेडकर ने कहा था:

"संविधान ने हमें राजनीतिक समानता दी है, लेकिन जब तक सामाजिक और आर्थिक समानता नहीं आएगी, तब तक हमारी आज़ादी अधूरी रहेगी।" "अनुसूचित" का सही अर्थ जानने और उसे समझने से हमें इस बात का एहसास होता है कि हमारा संविधान कितनी गहराई से सामाजिक न्याय के पक्ष में खड़ा है। यह हर भारतीय की ज़िम्मेदारी है कि वह "अनुसूचित" जातियों और जनजातियों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करे, ताकि हमारा समाज सच में एक समानता पर आधारित समाज बन सके।

अनुसूचित का अर्थ: क्यों आज भी ज़रूरी है?

"अनुसूचित" का मतलब होता है – "जो सूची में दर्ज हो।" भारतीय संविधान में "अनुसूचित जाति" और "अनुसूचित जनजाति" वे समुदाय हैं जिन्हें संविधान की अनुसूचियों में शामिल किया गया ताकि उन्हें सामाजिक न्याय मिल सके। संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत राष्ट्रपति इन्हें घोषित करते हैं। भारत में सदियों से जाति-व्यवस्था ने कुछ जातियों और जनजातियों को शिक्षा, रोजगार, सम्मान और बराबरी से दूर रखा। संविधान निर्माताओं ने इसे बदलने के लिए इन्हें "अनुसूचित" कर विशेष अधिकार और अवसर दिए ताकि ये समाज की मुख्यधारा में आ सकें। इसके तहत इन्हें शिक्षा में आरक्षण, सरकारी नौकरियों में अवसर और राजनीति में प्रतिनिधित्व का हक़ दिया गया। आज भी अनुसूचित जाति और जनजातियों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के स्तर पर पिछड़ापन और भेदभाव मौजूद है।

"आतंक को हराना: समाज, न्याय और रणनीति से जटिल लड़ाई"

-आतंक की जड़ें ग़रीबी, अन्याय और भेदभाव की आग में जन्म

आतंक को हराना: एक जटिल प्रक्रिया

आतंकवाद आज के दौर की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह सिर्फ़ बम धमाकों या हत्याओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था और मानव मनोविज्ञान को गहराई से प्रभावित करता है। आतंक को हराना सिर्फ़ बंदूक या सैन्य कार्रवाई से संभव नहीं होता, बल्कि इसके पीछे की सोच, कारण और परिस्थिति को समझना और उन पर काम करना भी उतना ही ज़रूरी होता है। इस लेख में हम समझेंगे कि आतंक को हराना क्यों जटिल प्रक्रिया है, इसके पीछे कौन-कौन सी परतें होती हैं, और इसे जड़ से मिटाने के लिए हमें किन रास्तों पर चलना होगा।

आतंक की जड़ें: ग़रीबी, अन्याय और भेदभाव

बहुत बार आतंकवाद की शुरुआत ग़रीबी, बेरोज़गारी, सामाजिक अन्याय और भेदभाव से होती है। जब किसी समाज में एक विशेष वर्ग या समुदाय को लंबे समय तक अवसरों से वंचित रखा जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो वहां असंतोष जन्म लेता है। इस असंतोष को कुछ लोग अपने राजनीतिक या धार्मिक मक़सदों के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं। आतंकवादी संगठनों को ऐसे लोगों को गुमराह करना आसान हो जाता है जो पहले से ही व्यवस्था से नाराज़ होते हैं। अतः आतंकवाद को हराने के लिए सबसे पहले हमें समाज में न्याय, शिक्षा, रोज़गार और समान अवसर सुनिश्चित करने होंगे ताकि युवाओं को बहकाने की ज़रूरत ही न पड़े।

धार्मिक और वैचारिक कट्टरता

आतंकवाद की एक दूसरी वजह धार्मिक और वैचारिक कट्टरता भी होती है। कई बार लोगों को यह यक़ीन दिला दिया जाता है कि अगर वे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होते हैं तो उन्हें स्वर्ग मिलेगा या उनका धर्म सुरक्षित होगा। इस कट्टरता का इलाज केवल शांति और सही धार्मिक शिक्षा से किया जा सकता है। समाज में धार्मिक सद्भाव, संवाद और सह-अस्तित्व की भावना को मज़बूत करना आतंक को हराने में सबसे बड़ा कदम होगा।

राजनीतिक हित और आतंकवाद

कुछ देशों में राजनीतिक हित साधने के लिए भी आतंकवाद का इस्तेमाल किया जाता है। पड़ोसी देशों में अस्थिरता पैदा कर उन्हें कमजोर करने के लिए आतंकवादी संगठनों को समर्थन देना एक आम रणनीति बन चुकी है। ऐसे में आतंक को हराने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और कूटनीतिक दबाव बनाना आवश्यक है ताकि आतंक को पनाह देने वाले देशों पर कार्रवाई हो सके।

तकनीक और आतंकवाद

आज तकनीक ने आतंकवाद को और भी खतरनाक बना दिया है। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और इंटरनेट आतंकवादियों के लिए भर्ती करने, संदेश भेजने और अपने विचार फैलाने का आसान माध्यम बन गए हैं। फेक न्यूज़, नफरत फैलाने वाले वीडियो और कट्टरपंथी विचारधाराओं को फैलाने के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा है। ऐसे में आतंक को हराने के लिए साइबर सुरक्षा, तकनीकी निगरानी और डिजिटल जागरूकता भी ज़रूरी है।

सैन्य कार्रवाई: एक पहलू, लेकिन अकेला हल नहीं

आतंकवाद से लड़ने के लिए सैन्य कार्रवाई की भी आवश्यकता होती है। जब कोई संगठन सीधे आम जनता की जान लेने लगे, तब उस पर कड़ी कार्रवाई करना ही पड़ता है। आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त करना, उनके नेटवर्क को तोड़ना और उनके फंडिंग के रास्ते बंद करना आवश्यक होता है। लेकिन सैन्य कार्रवाई अकेले आतंकवाद का समाधान नहीं कर सकती। अगर आतंक की जड़ें समाज में असमानता और अन्याय में हैं, तो सैन्य कार्रवाई केवल अस्थायी राहत दे सकती है। आतंक को स्थायी रूप से हराने के लिए हमें समानता, न्याय और शांति की स्थापना करनी होगी।

समाज की भूमिका

आतंक को हराने में समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। अगर समाज आतंकवादी गतिविधियों को स्वीकार नहीं करेगा, आतंक के विचारों को जगह नहीं देगा, तो आतंक फैल ही नहीं सकता। इसके लिए हमें समाज में जागरूकता बढ़ानी होगी, नफरत के ख़िलाफ़ आवाज़ उठानी होगी, और युवाओं को सही दिशा दिखानी होगी। मदरसों, विद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षा के साथ नैतिक और सामाजिक शिक्षा भी ज़रूरी है ताकि युवा किसी के बहकावे में न आएं।

आतंक से प्रभावित परिवारों का पुनर्वास

आतंकवाद से लड़ाई में यह भी ज़रूरी है कि जो लोग आतंक की चपेट में आकर प्रभावित हुए हैं, उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। कई बार आतंकवाद से प्रभावित इलाकों में बच्चे अनाथ हो जाते हैं, परिवार उजड़ जाते हैं, और लोग मानसिक तनाव में चले जाते हैं। अगर ऐसे लोगों की मदद नहीं की गई तो वे फिर से कट्टरपंथ की ओर लौट सकते हैं। सरकार और समाज को मिलकर ऐसे परिवारों की मदद करनी होगी।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझा प्रयास

आतंकवाद कोई एक देश की समस्या नहीं है। आतंकवादी नेटवर्क कई देशों में फैले होते हैं और फंडिंग भी कई देशों से होती है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति बनाना बहुत ज़रूरी है। इसके लिए सूचनाओं का आदान-प्रदान, संयुक्त सैन्य अभ्यास, आतंकवाद को फंड देने वालों पर सख़्ती और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर साझा प्रयास आवश्यक हैं।

आतंक के खिलाफ लड़ाई में धैर्य आवश्यक

आतंक को हराना रातों-रात संभव नहीं है। इसके लिए लंबी रणनीति, निरंतर प्रयास और धैर्य की आवश्यकता होती है। कट्टरपंथी विचारों को बदलना, समाज में समानता और न्याय स्थापित करना, और युवाओं को रोज़गार और अवसर प्रदान करना समय लेता है। सरकारों को इस दिशा में निरंतर कार्य करते रहना होगा।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई एक जटिल और लंबी प्रक्रिया है, जिसमें सैन्य, सामाजिक, आर्थिक, और मनोवैज्ञानिक सभी पहलुओं पर एक साथ काम करना पड़ता है। हमें आतंक की जड़ों को समझकर, उसके पीछे के कारणों को मिटाकर, और समाज में शांति, समानता और न्याय की स्थापना करके ही इस बुराई पर जीत मिल सकती है। सिर्फ बम और गोलियों से आतंक ख़त्म नहीं होगा, बल्कि किताब, क़लम और इंसाफ से भी यह लड़ाई लड़ी जाएगी। जब तक दुनिया में अन्याय, ग़रीबी, भेदभाव और नफरत रहेगी, तब तक आतंक जैसी बीमारियां जन्म लेती रहेंगी। इसलिए, आतंकवाद को हराने का असली रास्ता समाज को इंसाफ, मोहब्बत और बराबरी की राह पर लाना ही है।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद: एक विचारक, स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्र निर्माता

मौलाना अबुल कलाम आजाद एक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने कभी भी देश के विभाजन को स्वीकार नहीं किया। उनकी गांधी जी के साथ पहली मुलाकात 18 जनवरी 1920 को हुई। वे गांधी जी के बेहद करीबी माने जाते थे। मौलाना आज़ाद ने ऐतिहासिक खिलाफत आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्हें 1923 में 35 साल की उम्र में ही कांग्रेस का अध्यक्ष चुन लिया गया। इतिहासकार बताते हैं कि मौलाना आजाद कभी भी खुद को मुस्लिम नेता कहलाना पसंद नहीं करते थे। उन्होंने जिन्ना के अलग मुस्लिम राष्ट्र की मांग और देश के विभाजन का पुरजोर विरोध किया। वर्ष 1940 में आजाद जब दूसरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए तो करीब 2 साल बाद 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया। इसके चलते आजाद समेत कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को अंग्रेज़ी हुकूमत ने गिरफ्तार कर लिया गया। करीब 3 साल बाद 1945 में उनकी रिहाई हुई। वर्ष 1946 में जब अंतरिम सरकार का गठन किया गया था तो आजाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं हुए, वो देश के विभाजन का विरोध कर रहे थे। बाद में महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के बार-बार समझाने के बाद वो शिक्षा मंत्री के तौर पर कैबिनेट में शामिल हुए। उन्होंने आजादी के बाद सैकड़ों मुसलमानों को भारत छोड़ पाकिस्तान जाने से रोका था। भारत में रह रहे मुसलमानों को संबोधित करते हुए मौलाना आजाद ने कहा था कि इस तरह से सरहद पार जाना पाकिस्तान को मजबूत नहीं करेगा बल्कि भारत के मुसलमानों को कमजोर करेगा। आजादी के बाद मौलाना आज़ाद ने करीब 10 साल तक भारत के पहले शिक्षा मंत्री के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्होंने देश के विशाल शैक्षणिक नेटवर्क की नींव रखी। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की वजह से ही उनके जन्मदिन यानी 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जब भी हम भारत की आज़ादी और उसके बाद के निर्माण की बात करते हैं, तो जिन शख्सियतों का नाम हमेशा इज़्ज़त और एहतराम से लिया जाता है, उनमें मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का नाम सुनहरे हरूफ़ में लिखा जाता है। वह सिर्फ़ एक मज़हबी आलिम नहीं थे, बल्कि एक बेबाक पत्रकार, प्रखर वक्ता, दूरदर्शी शिक्षा मंत्री और समाज को जोड़ने वाले उन नेताओं में से थे जिन्होंने अपने इल्म, तालीम और इख़लाक से भारत की आत्मा को मज़बूती दी।

मौलाना आज़ाद का शुरुआती जीवन और शिक्षा

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का जन्म 11 नवम्बर 1888 को मक्का में हुआ। उनका असली नाम मुहीउद्दीन अहमद था, लेकिन बाद में वह अबुल कलाम के नाम से मशहूर हुए। उनके वालिद मौलाना खैरुद्दीन एक मशहूर आलिम थे और मां का नाम अलीया था। उनका परिवार शिक्षा और धार्मिक माहौल से जुड़ा हुआ था, इसलिए आज़ाद ने भी अरबी, फारसी और इस्लामी इल्म में महारत हासिल की। कम उम्र में ही उन्होंने क़ुरान, हदीस, तफ़सीर और फ़िक़्ह की गहरी तालीम हासिल कर ली थी। इसके अलावा उन्होंने अंग्रेज़ी, उर्दू और हिन्दी भाषा पर भी पकड़ बना ली थी।

पत्रकारिता और कलम की लड़ाई

मौलाना आज़ाद ने अपने विचारों को जनता तक पहुँचाने के लिए कलम को हथियार बनाया। 1912 में उन्होंने 'अल-हिलाल' नाम का अखबार निकाला जो जल्द ही भारतीय मुसलमानों में बेदार करने का ज़रिया बन गया। उनके लेखों में औपनिवेशिक ताक़तों के खिलाफ आवाज़, आज़ादी की तड़प और हक़ व इंसाफ़ की बातें बेबाक अंदाज़ में होती थीं। ब्रिटिश हुकूमत को यह अख़बार पसंद नहीं आया और इसे बंद कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने 'अल-बलाग़' नाम से एक और अखबार निकाला, जिसने मुसलमानों में आज़ादी और इल्म की अहमियत को बढ़ाया।

स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

मौलाना आज़ाद ने 1916 में महात्मा गांधी से मुलाकात की और उनके विचारों से प्रभावित होकर असहयोग आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। 1920 में उन्हें कांग्रेस का सदस्य बनाया गया और उन्होंने खिलाफ़त आंदोलन में भी नेतृत्व दिया। मौलाना आज़ाद ने हमेशा हिन्द-मुस्लिम एकता की वकालत की। उन्होंने साफ कहा था कि भारत में मुसलमानों का भविष्य हिन्दुओं से अलग होकर नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर रहने में ही है। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें कई बार जेल में डाला, लेकिन उनका हौसला कभी कम नहीं हुआ। 1942 में 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भी उन्होंने महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के साथ मिलकर अंग्रेज़ों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष में भाग लिया और जेल गए।

भारत की आज़ादी और शिक्षा मंत्री के रूप में भूमिका

भारत को आज़ादी मिलने के बाद जब पहला मंत्रिमंडल बना, तो मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को देश का पहला शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया। यह ओहदा उन्होंने 1947 से 1958 तक संभाला। उनके कार्यकाल में देश की शिक्षा प्रणाली को मज़बूती दी गई। उन्होंने IIT, UGC जैसी संस्थाओं की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मौलाना आज़ाद का मानना था कि तालीम हर इंसान का हक़ है, चाहे वह अमीर हो या ग़रीब, और बिना तालीम के कोई समाज तरक़्क़ी नहीं कर सकता। उन्होंने तालीम को धर्म, जाति और भाषा से ऊपर उठकर सब तक पहुँचाने का प्रयास किया। मौलाना आज़ाद की सोच थी कि मुल्क की एकता और ताक़त तभी बरक़रार रह सकती है जब समाज में तालीम को आम किया जाए।

हिन्द-मुस्लिम एकता और उनका दृष्टिकोण

मौलाना आज़ाद ने हमेशा कौमी यकजहती (राष्ट्रीय एकता) पर ज़ोर दिया। वह मुस्लिम लीग के द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के विरोधी थे और उन्होंने पाकिस्तान के विभाजन को रोकने के लिए बहुत प्रयास किए। उनका मानना था कि मज़हब इंसान का निजी मामला है, और मुल्क को मज़हब की बुनियाद पर तक़सीम नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने मुसलमानों से अपील की थी कि वह पाकिस्तान जाने की बजाय भारत में रहें और भारत की तरक़्क़ी में भागीदार बनें। उनका यह नज़रिया आज भी हिन्दुस्तान की सेक्युलर पहचान को मज़बूती देता है।

हरियालो राजस्थान, बायोफ्यूल, बंजर भूमि और अरावली विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

-मिलावटी बायोडीजल के विनिर्माताओं एवं खुदरा विक्रेताओं के विरूद्ध करे कठोर कार्यवाही- ग्रामीण विकास मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय, जयपुर में मिशन हरियालो राजस्थान, बायोफ्यूल प्राधिकरण, बंजर भूमि एवं चारागाह विकास बोर्ड और अरावली (एसोसिएशन फॉर रूरल एडवांसमेंट थ्रू वालंट्री एक्शन एंड लोकल इन्ववोल्वेमेंट) द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा इनके सुदृढीकरण के निर्देश दिये गये हैं।

ग्रामीण विकास मंत्री ने बायोफ्यूल प्राधिकरण विभाग द्वारा जारी राजस्थान जैव ईंधन नियम-2019 में आवश्यक संशोधन कर मिलावटी बायोडीजल (B–100) के विनिर्माताओं एवं खुदरा विक्रेताओं के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही के प्रावधान का समावेश कर सक्षम स्तर से प्रभावी नियम बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने राज्य में बंजर भूमि को हरा-भरा बनाने व ग्रामीण जनसमुदाय की आय बढ़ाने हेतु बंजर भूमि पर अखाद्य तेलीय पौधे जैसे रतनजोत, करज आदि का अधिक से अधिक पौधारोपण कराने के संबंध में जिलेवार कार्य योजना तैयार करवाकर दीर्घकालीन योजना सम्पूर्ण राज्य के लिये बनाते हुये कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये है। उन्होंने बायोफ्यूल प्राधिकरण और बंजर भूमि एवं चारागाह विकास बोर्ड की शीघ्र बैठक आयोजित कर भविष्य की कार्ययोजना निर्धारित करने पर जोर दिया।

डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि राजस्थान में वृक्षारोपण महाभियान के तहत "एक पेड़ माँ के नाम" की तर्ज पर हरियालो राजस्थान अभियान की शुरूआत गत वर्ष 7 जुलाई से की गई थी, जिसके तहत 7 करोड़ पौधारोपण कर राजस्थान पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा। इस कार्यक्रम का ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान द्वारा विकसित "हरियालो राजस्थान ऐप "के माध्यम से जियो टैगिंग भी किया जा रहा है। इस ऐप में रीयल टाईम के आधार पर पौधारोपण की ऑनलाईन प्रगति दर्ज करने का प्रावधान है।

वर्ष 2025-26 में सम्पूर्ण राज्य में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से ग्रामीण विकास विभाग, पंचायतीराज विभाग तथा जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग को संयुक्त रूप से 2 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य आवंटित किया गया है। जिसमें अब तक 1 करोड 9 लाख पौधे 50 से ज्यादा विभागों द्वारा लगाये गए है। इसमें महात्मा गांधी नरेगा, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग सबसे अधिक लगभग 70 लाख पौधारोपण कर सबसे आगे है। हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत सम्पूर्ण राज्य में किये जा रहे पौधारोपण के जिलेवार, विभागवार, प्रजातिवार मॉनिटरिंग हरियालो राजस्थान ऐप के माध्यम से की जा रही है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थापित की जा रही 12 हजार से अधिक पंचायत पौधशालाओं की जियो टैगिंग व मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

डॉ. किरोडीलाल ने वर्तमान में अरावली संस्थान द्वारा किए जा रहे क्षमतावर्धन, प्रशिक्षण एवं अध्ययन कार्यों की सराहना की तथा निर्देशित किया कि अरावली द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी अन्य विभागों को भी अवगत कराई जाने की आवश्यकता है जिससे अन्य विभाग भी उक्त कार्यों हेतु अरावली की सेवायें ले सकें।

पुरातत्व विभाग के सभी संग्राहलयों और सम्पत्तियों का हो डिजिटाइजेशन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन,कला, संस्कृति एवं पुरातत्व राजेश यादव ने राजस्थान में पुरातत्व विभाग के सभी संग्राहलयों और सम्पत्तियों का डिजिटाइजेशन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुरातत्व विभाग की सभी सम्पतियों का एक विजन डोक्यूमेन्ट बनाने और विभाग के कार्यों एवं सेवाओं को ऑनलाइन किया जाने के भी निर्देश दिए हैं।

प्रमुख शासन सचिव ने यह निर्देश आयुक्त पर्यटन रुक्मणी रियाड़ तथा पुरात्व विभाग के निदेशक पंकज धरेन्द्र की उपस्थिति में बुधवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में आयोजित पुरातत्व एवं संग्राहलय विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने पुरातत्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विभाग अपने कार्यों को योजनाबद्ध रूप से निर्धारित समय पर सम्पादित करें। प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने निर्देश दिए कि नारायण सिंह सर्किल स्थित गांधी वाटिका का वृहद प्रचार—प्रसार किया जाए।

प्रमुख शासन सचिव को पुरात्व विभाग के निदेशक पंकज धरेन्द्र ने विभाग का परिचय देते हुए बताया कि जयपुर में जन्तर मन्तर, आमेर किला, झालावाड़ में गागरोन किला यूनेस्को सूचीबद्ध स्मारक हैं। उन्होंने बताया कि 1950 से राजस्थान राज्य के निर्माण के साथ ही पुरातत्व एवं संग्राहलय विभाग का गठन किया गया। वर्तमान में विभाग द्वारा 345 पुरा स्मारक व 43 पुरास्थ संरक्षित घोषित है। साथ ही विभाग द्वारा 22 राजकीय संग्राहलय व 2 कला दीर्घा संचालित किये जा रहे हैं। जिनमें लभगभ 3 लाख से अधिक कला पुरा सामग्री यथा पाषण प्रतिमाएं,धातु प्रतिमाएं लघुरंग चित्र,अस्त्र—शस्त्र,वस्त्र परिधान,सिक्के,हस्तलिखित ग्रंथ,लिथोग्राफ,शिलालेख,टेराकोटा आदि पुरावस्तुएं संग्रहित एव प्रदर्शित हैं।

विभाग द्वारा प्रदेश बिखरी कला—पुरासम्पदा तथा सांस्कृतिक धरोहर की खोज, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार, पुरावशेषों का सर्वेक्षण, संग्राहलयों का पुनर्गठन एवं विकास का पब्लिकेशन कम्यूनिकेशन एवं मास मीडिया योजनाओं के अन्तर्गत कार्य संम्पादित किए जाते हैं। विभाग द्वारा कलात्मक किले, मंदिर,छतरिया,बावड़िया,हवेलियां व अन्य ऐतिहासिक,धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व के पुरा स्मारकों का सर्वे करवाया जाकर इनके गौरवशाली स्थापत्य, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं कलात्मकता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें संरक्षित घोषित कर मूल स्वरूप में संरक्षण जीर्णोद्धार,रखरखाव व सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाती है। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव को विभाग द्वारा संचालित मुख्य गतिविधयों एवं विभाग की सम्पदाओं का विस्तृत ब्यौरा भी दिया गया।

जयपुर के फागी में साकार हुई पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े की संकल्पना

- सवाई जयसिंहपुरा के बूकनी में 70 साल पुराने भूमि विवाद का हुआ सुखद अंत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत जयपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजत शिविर सुशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित हुए हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण देखने को मिला फागी उपखण्ड के सवाई जयसिंहपुरा पंचायत का बकूनी गांव में। जहां जिला प्रशासन की पहल से बुधवार को 59 खातेदारों के बीच 70 साल पुराने 28 खसरों की 192 बीघा भूमि विवाद का सुखद अंत हुआ।

उपखण्ड अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों का आयोजन किया गया। जिसके तहत सवाई जयसिंहपुरा के बूकनी गांव में 70 सालों से चले आ रहे भूमि विवाद के निस्तारण के लिए प्रशासन ने लगातार 8 दिनों तक पक्षकारों से समझाइश कर सहमति के लिए प्रेरित किया।

सहमति प्रदान करने के बाद उपखण्ड अधिकारी राकेश कुमार ने तहसीलदार रवि शेखर चौधरी को बंटवारे हेतु रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये। राजस्व दल ने एक ही दिन में बंटवारा रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की। जिसके बाद 28 खसरों की कुल 192 बीघा भूमि का 59 खातेदारों के बीच सफलतापूर्वक बंटवारा किया गया। बंटवारे के बाद 59 खातेदारों के 300 से ज्यादा परिजन खुश नजर आए, उन्होंने इन शिविरों के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का आभार जताया।

आमजन को मिली मौके पर ही राहत

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत जयपुर जिले में 8 जुलाई 2025 तक आयोजित 466 शिविरों में कुल 46 लाख 16 हजार 586 तरह के कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन किया गया। जिसके अंतर्गत राजस्व विभाग के 20 हजार 951, ग्रामीण विकास विभाग के 3 लाख 98 हजार 711, पंचायती राज विभाग के 4 लाख 54 हजार 632, विद्गुत विभाग के 68 हजार 736, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के 22 हजार 664, जल संसाधन विभाग के 64 हजार 972 कार्यों का संपादन किया गया है।

वहीं, कृषि विभाग के 68 हजार 301, वन विभाग के 17 लाख 79 हजार 671, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के 1 लाख 19 हजार 171, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 6 लाख 99 हजार 889, पशुपालन विभाग के 5 लाख 4 हजार 357, जनजातीय विकास विभाग के 26, शिक्षा विभाग के 4 लाख 5 हजार 79, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के 9 हजार 426 एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के 9 हजार 967 कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन कर लाखों आमजन तक राहत पहुंचाई गई है।

कृषि उपभोक्ताओं को राहत के लिए ऊर्जा मंत्री की पहल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ट्रांसफॉर्मर चोरी हो जाने पर नया ट्रांसफॉर्मर लेने के लिए विद्गुत उपभोक्ताओं को अब एफआईआर दर्ज होने का इंतजार नहीं करना होगा। विशेषतः कृषि उपभोक्ताओं को इसका बड़ा लाभ होगा और एफआईआर दर्ज होने की प्रतीक्षा किए बिना वे तुरंत नया ट्रांसफॉर्मर हासिल कर पाएंगे। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर की पहल पर विद्गुत वितरण निगमों ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

गौरतलब है कि ट्रांसफॉर्मर चोरी होने के बाद एफआईआर दर्ज होने की प्रक्रिया में लम्बा समय लग जाता था। नए ट्रांसफॉर्मर के लिए काश्तकार भटकते रहते थे और सिंचाई के अभाव में कई बार उनकी फसलें सूख जाया करती थीं। जिसका उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता था।

नागर ने बताया कि डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर चोरी होने पर सहायक अभियंता के द्वारा संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने के लिए पत्र भेजा जाएगा और इसकी प्राप्ति लेना सुनिश्चित किया जाएगा। इसी दिन एफआईआर के लिए की गई कार्यवाही की सूचना सहायक अभियंता द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) को ई-मेल के माध्यम से भेजी जाएगी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के स्तर पर संबंधित पुलिस थाना प्रभारी के साथ समन्वय कर एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित किया जाएगा।

नागर ने बताया कि इस दौरान प्राथमिकी दर्ज होने का इंतजार किए बिना सहायक अभियंता द्वारा कार्यालय के बफर स्टॉक से ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध करवाया जाएगा तथा एफआईआर संबंधित पत्र एवं प्राप्ति के साथ नया ट्रांसफॉर्मर आवंटित करने की सूचना अधीक्षण अभियंता कार्यालय को भिजवाई जाएगी। अधीक्षण अभियंता कार्यालय द्वारा प्राथमिकी दर्ज होने का इंतजार किए बिना डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर आवंटित किया जाएगा। साथ ही, 15 दिन के अंदर एफआईआर दर्ज कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

नागर ने बताया कि सहायक अभियंता संबंधित पुलिस थाने से एफआईआर नंबर प्राप्त करने के लिए समन्वय करेंगे। यदि 15 दिन के अंदर एफआईआर नंबर प्राप्त नहीं होता है तो सहायक अभियंता ऐसे केसेज की लिस्ट तैयार कर अधीक्षण अभियंता को भेजेगा तथा अधीक्षण अभियंता जिला पुलिस अधीक्षक के साथ इन केसेज के संबंध में चर्चा करेंगे।

मुस्लिम फोरम ने उदयपुर फाइल्स फिल्म रिलीज़ को लेकर नाराजगी जताई

-राष्ट्रपति के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। देश के सबसे चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड पर बनी मूवी 'उदयपुर फाइल्स' 11 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इधर, रिलीज से पहले इस मूवी पर रोक लगाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई खारिज कर दी गई, वहीं बुधवार को जयपुर में फिल्म को लेकर मुस्लिम फोरम ने भी नाराजगी जताई, कहा देश का माहौल खराब करने की साजिश रची जा रही है। इस फिल्म का क्या औचित्य है,फिल्म के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बनाने के बजाय बिगाड़ने के प्रयास किए जा रहे है। हत्याकांड के मुजरिम सलाखों के पीछे है,लेकिन विशेष समुदाय को फिल्म के माध्यम से निशाना बनाना गलत है। मुस्लिम फोरम की और से राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी ज्ञापन दिया जाएगा, फिल्म पर रोक लगे, ताकि गंगा जमना तहज़ीब बनी रहे।

चजेयू के नए परिसर में 100 फीट ऊंचाई पर लहराएगा तिरंगा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के दहमीकलां स्थित नए परिसर में अब 100 फीट ऊंचाई पर तिरंगा फहराएगा। नए परिसर में बुधवार को पहली बार कुलगुरु प्रोफ़ेसर (डॉ.) सुधि राजीव ने भारत माता के जयकारों के बीच तिरंगे का आरोहण दोपहर 1.15 बजे किया।

विश्वरविद्यालय परिसर के मुख्ये प्रशासनिक भवन के सामने एक विशाल स्तंरभ पर 100 फीट की ऊंचाई पर 30 फीट लंबे और 20 फीट चौड़े राष्ट्र ध्वनज को फहराया गया। कुलगुरु प्रो. सुधि राजीव ने कहा, 'हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वीविद्यालय अपने स्थाधयी परिसर में शिफ्ट हो गया है। परिसर में मुख्यं द्वार से प्रवेश करते ही विद्यार्थियों और सभी आंगतुकों को फहराता हुआ तिरंगा नजर आएगा। इससे विद्यार्थियों में देशभक्ति और देश के लिए कुछ बेहतर करने की ऊर्जा का संचार होगा। मैं हमेशा अपने कार्यस्थल पर अशोक स्तम्भ, तिरंगा और संविधान की उद्देशिका अपने पास रखती हूँ। ये राष्ट्रीय प्रतीक हमारे देश की शान है।' इस अवसर पर विश्वेविद्यालय के कुलसचिव बी. एल. मेहरड़ा, वित्ति नियंत्रक डॉ. सत्यें द्र बसवाल, समन्वायक अकादमिक एवं प्रशासन डॉ. रतन सिंह शेखावत, सभी संकायों के डीन और विभागाध्य क्षों के अलावा बड़ी संख्यो में विद्यार्थी उपस्थित थे।

जमाबन्दी में बागरिया के स्थान पर गुर्जर दर्ज हाने पर छीतर की 15 वर्षों से चल रही समस्या का हुआ समाधान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा 2025 के तहत 09.07.2025 को तहसील स्तर पर आयोजित फॉलोअप शिविर में परिवादी छीतर गुर्जर ने उपखण्ड अधिकारी राकेश कुमार के समक्ष उपस्थित होकर अवगत करवाया की ग्राम कुडली की जमाबंदी के खसरा नंबर 110 में परिवादी के नाम के आगे गुर्जर के स्थान पर बागरिया दर्ज है। उपखण्ड अधिकारी द्वारा तहसीलदार फागी को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। प्राप्त निर्देशों की पालना में तहसीलदार फागी द्वारा पटवारी से नाम शुद्धि की रिपोर्ट तैयार करवाई गयी। उपखण्ड अधिकारी द्वारा पटवारी रिपोर्ट के अनुसार मौके पर ही परिवादी के नाम के आगे बागरिया के बजाय गुर्जर अंकित करने के आदेश जारी किये गये। लगभग 15 वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान होने पर परिवादी द्वारा राज्य सरकार का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा के तहत शिविर आयोजित करवाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया ।

मिले विद्गुत कनेक्शन तो 8 घर हुए रोशन चेहरो पर छाई खुशी

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मुख्यालय मौजमाबाद में 09.07.2025 को आयोजित फाँलोअप केम्प मे चौहानो की ढाणी के निवासियो द्वारा शिविर प्रभारी के समक्ष उपस्थित होकर विधुत सप्लाई के कम वोल्टेज आने की समस्या रखी इस पर केम्प प्रभारी द्वारा विधुत उर्जा विभाग के सहायक अभियन्ता को बुलाकर उक्त समस्या के समाधान हेतु निर्देश प्रदान किये गये जिसमे सहायक अभियन्ता द्वारा बुधवार को ही उनकी समस्त फिल्ड स्तर की टीम को मौके पर भेजकर चौहानो की ढाणी मे 16 किलो वाट ट्रांसफार्मर पर रूपनारायण गुर्जर पुत्र झुंथाराम गुर्जर के पास एक नया ट्रांसफार्मर 25 किलो वाट का रखवाकर 8 नये विधुत कनेक्शन जुडवाये गये इससे ग्रामिणों के चेहरों पर हर्ष की लहर छा गई। विद्गुत कनेक्शन जारी होने पर समस्त परिवादियों ने प्रदेश के माननीय मुख्यामंत्री भजनलाल शर्मा व जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया।

दिया कुमारी ने अश्विनी वैष्णव के पिता स्व. दाऊलाल वैष्णव के निधन पर शोक व्यक्त किया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी बुधवार को जोधपुर पहुंचीं और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता स्वर्गीय दाऊलाल वैष्णव के निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

सुश्री दिया कुमारी ने स्व. दाऊलाल वैष्णव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में धैर्य और संबल बनाए रखने की प्रार्थना की। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

सीआरसी ने किया दिव्यांगजनों के लिए फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' का प्रदर्शन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी), जामडोली, जयपुर ने केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार "सितारे ज़मीन पर" फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन बुधवार को पीवीआर सिनेमा में किया गया, जिसमें दिव्यांग बच्चों ने फिल्म का आनंद लिया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं मुख्य अतिथि अविनाश गहलोत ने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति समाज में स्वीकृति और समानता का भाव अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सीआरसी की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त निदेशक केसर लाल मीना ने सीआरसी द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की प्रशंसा की और संस्थान को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सीआरसी जयपुर के निदेशक नीरज मधुकर ने बताया कि यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं बल्कि दिव्यांगता के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता एवं एक समावेशी समाज की दिशा में सार्थक प्रयास है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में भामाशाह हाजी रुखसार अहमद ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर सपोर्ट फाउंडेशन फॉर ऑटिज्म एंड डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीज, राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संघ, मानसिक विमंदित गृह, जामडोली समेत विभिन्न संस्थाओं के विशेष बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

शांतिपूर्ण ताजिए का पर्व सम्पन होने पर थाना अधिकारी और ताजीएदार का स्वागत किया

-नागोरियान मोहल्ले वासियों ने थाना अधिकारी का स्वागत कर आभार जताया

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। चौमू क़स्बे में मुस्लिम समुदाय के द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से ताजिए का पर्व मनाने पर पुलिस थाना चौमू के थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा ने मोहल्ला नागोरियान के ताजीएदार सरदार खान का आभार जताते हुए उनको सांफ़ा बंधवाकर व माला पहनाकर ख़ुशी ख़ुशी स्वागत किया।

इसके बाद में मोहल्ले के जिम्मेदारों के द्वारा पुलिस थाना चौमू के थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा का स्वागत किया गया।

मोहल्ले वासियों ने कहा कि पुलिस की कड़ी चौकसी और पैनी निगाहों के बीच मे भी किसी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना नही घटी इसके लिए पुलिस प्रशासन का आभार जताते हैं।

प्राप्त जानकारी के इस अवसर पर शमशेर खान (वीआईपी), लाला खान, पूर्व लाइनमैन इकरामुद्दीन खान गौरी, पार्षद फ़िरोज़ नागौरी, इस्लामुद्दीन खान, मास्टर हबीब पुलिस टेलर मास्टर नाथू खान इकरामुद्दीन खान लोहांनी, इकराम शाह, मजीद शाह, इक़बाल खान लोहांनी, मंजूर खान गौरी, रिय्याज खान लोहांनी, फ़िरोज़ नागोरी, हबीब खान मातवान आदि उपस्तिथ थे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

सेवादल नगर अध्यक्ष शंकरलाल चंदेलिया को बनाने पर यूथ कांग्रेस

-जिला अध्यक्ष आसिफ खान ने किया स्वागत

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला पर वाल्मीकि बस्ती में सेवादल कांग्रेस कमेटी की जिला कार्यकारिणी जारी हुई जिसमें शहर अध्यक्ष के लिए शंकरलाल चंदेलिया को नियुक्त किया गया। इस दौरान युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान ने शंकर लाल चंदेलिया का उनके आवास पहुँचकर वाल्मीकि समाज के प्रमुख व्यक्तियों के सानिध्य में स्वागत व अभिनंदन किया। आसिफ खान ने बताया कि चंदेलिया जी लम्बे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए है उनकी नियुक्ति से कांग्रेस को उनके अनुभव का लाभ मिलेगा व आने वाले निकाय चुनाव में उनकी

मेहनत का असर दिखेगा। शंकर लाल चंदेलिया ने शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया व पार्टी हित में कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्प लिया।इस दौरान संचालन कन्हैया चंदेलिया ने किया व लाल जी पंवार ने अध्यक्षता की।कार्यक्रम में निवर्तमान पार्षद अशोक पंवार,हनुमाना राम, श्रवण हटवाल, संपतलाल, श्याम लाल, तेज कुमार पंवार, अशोक चांवरिया, अभिषेक पंवार,शंकर चंदेलिया, कैलाश चंदेलिया, गजानंद चंदेलिया, मनोज पंवार, पपू राम कागड़ा, रूप कमल चांवरिया, अशोक पंवार आदि शामिल रहे।

दोस्तों की महफिल में हम जोली टीम द्वारा पौधे लगाकर

-डॉक्टर अख्तर खान का योमे पैदाइश मनाया गया

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर युवा समाजसेवी डॉक्टर अख्तर खान का जन्मदिन स्टे रिलेक्स फिजियोथेरेपी हॉस्पिटल में उनके चाहने वालों ने पोधे लगा कर मनाया ज्ञात रहे डॉक्टर अख्तर खान एक युवा सामान्य व्यक्तित्व के नहीं है। समाजसेवी डॉक्टर हैं कायम खां ड़े पर 14 जून को निशुल्क कैंप लगाकर समाज में अपनी सेवाएं दी और साल में दो बार निशुल्क कैंप लगाकर सेवाएं देते हैं। डॉक्टर पुष्पा खारडीया अस्पताल की डायरेक्टर हैं वह भी निरंतर अपनी सेवाएं दे रही हैं। कम उम्र में शहर में व आसपास के

क्षेत्र में अच्छा नाम कमाया है। जब भी निशुल्क कैंप लगता है तो उसमें फिजियोथैरेपिस्ट के अलावा न्यूरोसर्जन, फिजिशियन, एवं ऑर्थो, डेंटिस्ट, डॉक्टर भी निशुल्क सेवा देते हैं। आपके जन्मदिन पर समाज के प्रभु जनों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया जिसमें महबूब खान, आवेश कुरेशी, बिलाल ख़ान,जाफर खान, नौशाद खान, आदि।

यज्ञदत्त जांगिड़ का अखिल भारतीय विश्वकर्मा छात्र एवं युवा संघ ने किया स्वागत

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा 7 जुलाई 2025 कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा -23 में यज्ञदत्त जांगिड़ पुत्र शिव कुमार जांगिड़ टकनेत हाउस, वार्ड न.43 चूरू का मेरिट (M-15) रेंक प्राप्त करने पर अखिल भार तीय विश्वकर्मा छात्र एवं युवा संघ के राष्ट्रीय महासचिव बी.एन. राजोतिया ने शुभकामनाएं दी और यज्ञदत्त जांगिड़ ने बताया की मेरी मेहनत के पीछे मेरे पिता शिव कुमार जांगिड़ माता श्रीमती

ग्यारसी देवी एवं मेरे गुरू जनो का आशीर्वाद है। भाई जय प्रकाश जांगिड़ , संदीप जांगिड़, संजय जांगिड़, ललित जांगिड़ ने मिठाई खिला कर शुभकामना दी ।

केंद्रीय श्रमिक संगठन ने विरोध दिवस मनाया

शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर केंद्रीय श्रमिक संगठनों के राष्ट्रव्यापी आहान के तहत विरोध दिवस मनाया और जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा संयुक्त किसान मोर्चा किसान सभा जिला अध्यक्ष कांजी मीणा ने बताया की केंद्रीय श्रमिक संगठन एवं स्वतंत्र फेडरेशन द्वारा महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार मिलावट खोरी निजीकरण संविदा पेंशन सामाजिक सुरक्षा आदि सवालों पर लगातार संघर्ष के बावजूद केंद्र व राज्य सरकार उनकी वाजिब समस्याओं को हल नहीं कर पा रही है।9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में निम्न समस्याओं का हल किया जावे चार श्रमिक कोड को वापस लिया जाए निजीकरण पर रोक लगाओ बिजली अधिनियम 2020 वापस लो सभी संविदा कर्मियों को स्थाई किया जावे किसानों को उपज का वाजिब दाम दो स्वामीनाथन किसान आयोग की रिपोर्ट लागू करो भवन निर्माण एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा दो उक्त समस्याओं को मजदूरों वह किसानों की समस्याओं का हल किया जावे सभी संगठनों ने महावीर पार्क में एकत्रित होकर संबोधित किया व जिला कलेक्टर परिसर रैली निकालकर नारेबाजी के साथ जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करके सभी कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सोपा।

सैलानी बाबा के सालाना उर्स के अवसर पर वतन फाउंडेशन ने

-मीठा शरबत पिलाकर जायरीनों की सेवा की

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के आलनपुर कोतवाली के सामने स्थित दरगाह शेख सलीमुद्दीन चिश्ती उर्फ सैलानी बाबा का सालाना उर्स मंगलवार को कुरानखानी और चादर चढ़ा ने साथ संपन्न हुआ। उर्स में सैकड़ों की तादात में जायरीन शामिल हुए और अमन चैन की दुआ मांगी। वतन फाउंडेशन टीम के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस मौके पर हमारा पैगाम भाईचारे के नाम की थीम पर काम कर रहे वतन फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी सहित टीम के सदस्यों ने उर्स में आने वाले हजारों जायरीनों को मीठा शरबत और ठंडा पानी पिलाकर सेवा कार्य किया। शर्मा ने बताया कि गत वर्ष भी वतन फाउंडेशन टीम द्वारा इस कार्यक्रम में भाग

लेकर अपनी सेवाएं देने का कार्य किया था।फाउंडेशन के संरक्षक राजेश शर्मा ने बताया कि वतन फाउंडेशन टीम हर सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रमों में आगे आकर अपनी सेवाएं देती है। आज भी उसी क्रम में सेवा कार्य को अंजाम दिया गया। वतन फाउंडेशन के उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया ने बताया कि दरगाह शेख सलीमुद्दीन चिश्ती के सज्जादा नशीन काजी अहतशामुदीन ने वतन फाउंडेशन टीम के सभी लोगों का माला पहना कर एवं साफा बंधवाकर इस्तकबाल किया । इस अवसर पर एडवोकेट काजी इमामुद्दीन टीम वतन फाउंडेशन के संरक्षक राजेश शर्मा, प्रोफेसर रामलाल अध्यक्ष हुसैन आर्मी, उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया, मुकेश जैन, विमल पांडे, आशीष मेहरा, आमीन, टीपू सुल्तान जाबिर खान, अली हुसैन सहित अनेक लोग शामिल थे।

रतनगढ़ के भानुदा गांव में एयर फोर्स का एक विमान क्रैश

-विमान क्रैश में दोनों पायलटों की मृत्यु हो गई

मोहम्मद अली पठान

रतनगढ़/चुरू, (रॉयल पत्रिका)। जिले के रतनगढ़ विधानसभा के भानुदा गांव में एक बड़ा हादसा सामने आया है। एयर फोर्स का एक विमान क्रैश हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर रवाना हो गईं। गांव में अचानक हुए इस हादसे से हड़कंप मच गया और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पायलट और को-पायलट दोनों की मृत्यु हो गई। इस से बड़ा क्या बलिदान होगा। फाइटर जेट को क्रैश होता देखकर दोनों पायलटों ने खेतों में क्रैश करवा दिया, अपनी जान की परवाह न करते हुए आबादी क्षेत्र

से दूर प्लेन को गिराकर कितने ही लोगों की जान बचा ली और देश के लिए शहीद हो गए। ऐसे वीरों को नमन, देश की सीमा हो या देश की जनता भारतीय सेना का यह चरित्र उन्हें महान बनाता है। ऐसे वीर सपूतों को नमन और हम उनके परिवारों के भी ऋणी हैं। सरकार कब इन उड़ते ताबूतों को एयर फोर्स से विदा करेगी।

SDPI की स्टेट कमेटी का विस्तार, नये प्रदेश प्रभारी का स्वागत

-ज़िला कमेटियों के गठन को सुचारु करने की रुपरेखा बनाई

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) की प्रदेश कार्यकारणी की बैठक पार्टी के कोटा संभागीय कार्यालय पर आयोजित की गई। इस बैठक में पार्टी के नए प्रदेश प्रभारी के रूप में राष्ट्रीय सचिव रियाज़ फिरंगीपेट का स्वागत किया गया, मीटिंग की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने की, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर मीटिंग में शिरकत की ।

प्रदेश कमेटी का विस्तार करते हुए एक और अतिरिक्त प्रदेश महासचिव के रूप में अब्दुल हक़, दो प्रदेश सचिवों शब्बीर कुरैशी एवं आबिद हुसैन तथा कार्यकारणी सदस्यों में मोहम्मद जावेद, रज़ाक़ अंसारी, मुफ़्ती मोहम्मद उमर को मनोनीत करने का प्रस्ताव राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा गया।

इसके साथ ही आगामी निकाय चुनावों में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन किये जाने के संदर्भ में ज़िला कमेटियों के संगठन को मज़बूत करने पर विस्तृत चर्चा कर ज़िला कमेटियों के पुनर्गठन की योजना पर कार्य शुरु करने का भी निर्णय लिया गया ।

प्रदेश प्रभारी रियाज़ फिरंगीपेट ने राजस्थान के पार्टी संगठन को और भी मज़बूत तरीके से कार्य करने के लिए सभी ज़िला प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी ने उपस्थित सभी कार्यकारणी सदस्यों तथा पदाधिकारियों को एकजुट हो कर कार्य करने एवं पार्टी में और भी नए लोगों को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर प्रदेश कमेटी द्वारा निम्नलिखित राजनैतिक प्रस्ताव पारित किए -

1. राज्य की भाजपा सरकार प्रदेश में बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है जिस से कम आय वर्ग, ग्रामीण एवं पिछड़े वर्ग को शिक्षा प्राप्त करने में बड़ी असुविधा हो रही है साथ निजी शिक्षण संस्थानों में मनमानी फ़ीस वसूलने से शिक्षा का व्यावसायिक करण को बढ़ावा दे कर आमजन को लूटा जा रहा है।
अतः राज्य सरकार को अपनी शिक्षा नीतियों को सूचारु एवं जन उपयोगी बनाने के लिए समुचित उपाय करना चाहिए।

2. प्रदेश में कृषि विस्तार की दर में कमी लगातार होने से कृषि क्षेत्र पर नकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहें हैं कृषि विकास से जुड़े संस्थानों के प्रबंधकों ने इस पर चिंता प्रकट की है , आंकड़ें देखें तो प्रदेश में कृषि क्षेत्र में वित्तीय ऋणों में कमी होना इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। अतः राज्य सरकार को अपनी कृषि विकास के विस्तार पर ठोस योजना बना कर सुधार करना चाहिए जिस से की कृषि क्षेत्र से जुड़े किसानों, व्यापारियों एवं मज़दूरों की आर्थिक स्थिति को ख़राब होने से बचाया जा सके।

3. प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है नकली खाद, दवाइयों एवं बीज के प्रकरण में राज्य मंत्री द्वारा खुद छापे की कार्यवाही पर उपरोक्त तथ्य उजागर हुये हैं, यहाँ तक कि आए दिन सरकारी कर्मचारियों और अफसरों द्वारा गबन एवं रिश्वत लेते गिरफ्तार होने की घटनाएँ भी हो रहे भ्रष्टाचार के प्रमाण हैं।
राज्य सरकार को इस प्रकार की भ्रष्टाचार की घटनाओं को रोकने हेतु अपराधियों को कड़ी सज़ा दिए जाने की कयावही की जाए।

4. प्रदेश में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाने तथा इसमें व्याप्त अनियमितओं को दूर करने के लिए राज्य सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिये ताकि नौकरियों के अभियर्थियों को नौकरी प्राप्त करने में हो रही असुविधाओं से जूझना नहीं पड़े।

मीटिंग में आए सभी लोगों का स्वागत प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर ने किया और सभी उपस्थित लोगों को प्रदेश कार्यकारणी सदस्य मिसेज़ फरीदा सैय्यद जी ने किया।

भारी बारिश के बाद जिला कलेक्टर ने किया जलभराव स्थलों का निरीक्षण

-घग्घर तटबंधों और भद्रकाली पुल का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। मंगलवार रात को हुई भारी बारिश के बाद जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बुधवार सुबह से ही शहर के जलभराव वाले प्रमुख क्षेत्रों का दौरा कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जल निकासी व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और तत्काल समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने एडीएम उम्मेदी लाल मीना व नगर परिषद आयुक्त सुरेन्द्र यादव के साथ कलेक्ट्रेट के सामने स्थित पंप हाउस, हाउसिंग बोर्ड के पास, टाउन स्थित हिसारिया अस्पताल के सामने, चुंगी नंबर 6, टाउन स्थित क्षेत्र, तिलक सर्कल, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने लगाए गए पंपों की कार्यक्षमता की जानकारी ली और जल निकासी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

घग्घर तटबंधों और भद्रकाली

पुल का लिया जायजा

जिला कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक हरी शंकर, एसडीएम मांगीलाल, और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ भद्रकाली मंदिर क्षेत्र स्थित पुल एवं घग्घर नदी के तटबंधों का निरीक्षण किया। तटबंधों की स्थिति का बारीकी से अध्ययन करते हुए उन्होंने जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए कि किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए समयबद्ध तैयारिया सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर उन्होंने भद्रकाली मंदिर में दर्शन किए। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जलनिकासी कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को बारिश के चलते किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

जैतपुरा में पीएचईडी मंत्री चौधरी ने किया पौधारोपण

-पर्यावरण, प्रकृति व जल की आवक के लिये पौधारोपण आवश्यक

-फेकारिया विद्यालय में 363 खेजड़ी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संवर्द्धन व प्रकृति व जल की आवक के लिये पौधारोपण आवश्यक आवश्यक है आने वाली पीढ़ी को हम विरासत देकर जाये और अधिक से अधिक पौधरोपण करें।

मंत्री चौधरी बुधवार को पाली जिले के रोहट के जैतपुरा में आयोजित मोहनलाल सायरचंद कवाड़ चेरिटेबल ट्रस्ट की और से आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पानी की जहां भी समस्या है उसे दूर करेंगे और धन की कोई कमी नही है। उन्होंने कहा पानी अधिक से अधिक धरती पर बरसे इसके लिये ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करे ताकि ग्लोबल वार्मिंग का असंतुलन दूर हो सके। इस अवसर पर रूपावास में आयोजित कार्यक्रम में भी पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया और पौधरोपण किया।

इस अवसर पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने भी सम्बोधित किया और पौधारोपण के महत्व

के बारे में बताया और पौधरोपण करने पर बल दिया। कार्यक्रम को पूर्व सांसद पुष्प जैन ने और सुनील भंडारी ने सम्बोधित किया और वन्दे गंगा पखवाडा व अन्य योजनाओं और हरियालो राजस्थान की जानकारी दी।

फेकारिया में अमृता देवी विश्नोई वाटिका के तहत 363 खेजड़ी पौधों का वृहद पौधरोपण कार्यक्रम मोहनलाल सायरचंद कवाड़ चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित साथ ही राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, फेकारिया में अमृता देवी विश्नोई वाटिका के तहत 363 खेजड़ी पौधों का वृहद पौधारोपण कार्यक्रम मोहनलाल सायरचंद कवाड़ चेरिटेबल ट्रस्ट की प्रेरणा से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर एल. एन. मंत्री ने सम्बोधित किया और कहा पौधा लगाना पुण्य का कार्य है जिससे कि हमे अनेक लाभ प्राप्त होते है। उन्होंने अमृता देवी के वृक्ष प्रेम से प्रेरणा लेकर कार्य करने के लिये आह्वान किया। कार्यक्रम को सुनील भंडारी व अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर शांतिलाल कवाड व एडवोकेट नंदकिशोर बंसल, विक्रमसिंह विश्नोई, विशिष्ट फगलूराम विश्नोई, लाडूराम ढाका, भंवर विश्नोई आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन मोहम्मद रमजान ने किया।

मौलाना फ़ज़ले हक सीरत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया सीरत कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष फैसल नसीम ने सर्व सहमति से प्रस्ताव पारित कर मौलाना फ़ज़ले हक को आल इंडिया सीरत कमेटी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। मौलाना फ़ज़ले हक के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से कोटा संभाग में हर्ष की लहर है उलमाओं और इमामों, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने इस फैसले का स्वागत किया।

मौलाना फ़ज़ले हक ने कहा की सीरत कमेटी के तमाम व्यक्तियों को साथ लेकर समाज और देश के लिए सेवा करुंगा जुलूस ईद मिलादुन्नबी पिछले 60 वर्षों से परंपरागत तरीके से आल इंडिया सीरत कमेटी की अगुवाई में निकलता रहा है अमन और शांति का संदेश देकर सांप्रदायिक सौहार्द को और मजबूत बनाएंगे।

इस दौरान पीस मिशन के प्रदेश अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू ने

नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फ़ज़ले हक का इस्तकबाल कर आगामी जुलूस ईद मिलादुन्नबी के जुलूस को बड़े रूप में मनाने के लिए पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर कोटा यूनिट के अध्यक्ष रहे लियाकत अली अंसारी ने अपने स्वास्थ्य के चलते अपने पद का त्याग पत्र दिया और राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर मुबारकबाद पेश की। जिसमें मौलाना अलाऊद्दीन अशरफी अध्यक्ष मकदूम अलाउल हक फाउंडेशन, पीस मिशन प्रदेश अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू, मो. इमरान पूर्व पार्षद, दानिश खान सचिव वक्फ बोर्ड, समाज सेवी अफरोज खान, अशफाक कुरैशी, फरहान खान "रिंकू" ने हर्ष व्यक्त किया।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

-पानी से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान करेंगे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बुधवार को जिला कलक्टर कार्यालय के सभागार में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में उन्होंने पाली जिले में सभी ब्लॉक के बारे में जल उपलब्धता, वितरण, व योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अवैध जल कनेक्शन पर कार्रवाई के लिये कहा। साथ ही जल से जुडी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और बकाया का समयबद्ध रूप से पूरे करने के निर्देश दिये।

बैठक में उन्होंने जहां पेयजल से सम्बधित समस्याये है उनका निराकरण करेंगे। आमजन को जल उपलब्ध कराने के लिये कहा। बैठक में इस अवसर पर उन्होंने जल की विभिन्न योजनाओं जल जीवन मिशन के बारे स्वीकृत कामों, बकाया कामों, अमृत 2.0 आदि के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक मे बजट घोषणाओं व जेजेएम योजना, हैंडपंपों की स्थिति, कन्टीजेंसी प्लान आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

बैठक में मारवाड विधायक केसाराम चौधरी ने मारवाड जंक्शन व सोजत विधायक शोभा चौहान ने अपने क्षेत्र की बात को रखा। इस अवसर पर पाली पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख ने व पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा ने भी अपनी बात रखी। इस अवसर पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने जिले व ब्लॉक के कामों वर्तमान स्थिति व प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर जिला परिषद सीईओ मुकेश चौधरी, प्रशिक्षु आईएएस बिरजू चौधरी, पाली पंचायत समिति प्रधान मोहिनी देवी, प्रोजेक्ट पीएचईडी जोधपुर देवराज सोंलकी, एसई पीएचईडी पाली मनीष माथुर, विभिन्न ब्लॉक के एक्सईन, एईन सभी अन्य संबंधित विभागों बिजली, भूजल विभाग के अधिकारी कार्मिक, सुनील भंडारी, पुखराज पटेल, आदि मौजूद रहे।

गहन पुनरीक्षण 2025 की तैयारी के लिए प्रशिक्षण पर रहा विशेष फोकस

-कपासन में बीएलओ एवं सुपरवाइजर का प्रशिक्षण सम्पन्न

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार मंगलवार 08 जुलाई को पंचायत समिति सभागार, कपासन में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उपखंड अधिकारी कपासन की अध्यक्षता में विधानसभा क्षेत्र कपासन के 50 बीएलओ (भाग संख्या 201 से 250 तक) एवं 5 सुपरवाइजर (कपासन एवं भोपालसागर क्षेत्र) का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर द्वारा पीपीटी के माध्यम से बीएलओ को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 हेतु प्रशिक्षित किया गया।

के मुख्य बिंदु निम्नानुसार रहे:

प्रशिक्षण में नव मतदाताओं का पंजीकरण (Form-6), मतदाता विवरण में संशोधन (Form-8), VHA एप्लिकेशन का संचालन और उसका महत्व, BLO ऐप में जोड़े गए नवीन फीचर्स की जानकारी, फील्ड सर्वेक्षण की तैयारी और समयबद्ध कार्य निष्पादन पर विशेष बल। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उपखंड अधिकारी कपासन ने बीएलओ को संबोधित करते हुए कहा कि "मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की बुनियाद है। बीएलओ अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता एवं पारदर्शिता से निभाएं तथा निर्वाचन विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें।" उन्होंने यह भी कहा कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान 18 वर्ष से कम आयु वाले नामित मतदाताओं की पहचान, दोहराव प्रविष्टियों की जांच, मृतक एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाना, 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का सत्यापन तथा मतदान केन्द्रों की भौतिक स्थिति का अवलोकन महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में निर्वाचन शाखा के कार्मिक, मास्टर ट्रेनर एवं संबंधित क्षेत्र के सुपरवाइजर भी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर लोक बन्धु ने शहर के प्रमुख नालों का किया सघन निरीक्षण

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। वर्षा ऋतु के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु ने मंगलवार को विभिन्न नालों का मौके पर जाकर सघन निरीक्षण किया। समय रहते जल निकासी की स्थिति का आकलन करने एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सघन निरीक्षण का आरम्भ जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के पास स्थित नाले से किया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त देशल दान सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी साथ रहे। कांजी का नाला, सागर विहार पाथ-वे और अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इन क्षेत्रों में भारी वर्षा के दौरान जलभराव समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। पूर्व में नालों की सफाई के पश्चात बारिश में आए कचरे को भी पुनः साफ कराएं। नालों की विभिन्न स्थानों से क्षतिग्रस्त दीवारों की भी मरम्मत सुनिश्चित की जाए। जिला कलक्टर ने मौके पर ही निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संपर्क मार्गों की नालियों की तत्काल सफाई सुनिश्चित की जाए। इससे जल निकासी में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। उन्होंने एचकेएच स्कूल के पास नाले की सफाई करने के निर्देश दिए। इस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए नगर निगम ने नाले की मशीन के माध्यम से सफाई करने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी। चौरसियावास तालाब से जुड़े निकासी मार्गों की समीक्षा की गई। तालाब की पाल की मरम्मत करवाने के निर्देश दिए। रिजनल कॉलेज चौराहा, मित्तल हॉस्पिटल, बांडी नदी के समीप मोती विहार कॉलोनी होते हुए पूरे इलाके की भौगोलिक स्थिति का आकलन किया गया। बांडी नदी में से जलकुंभी तथा अवरोध हटाने के निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि इन इलाकों में जल निकासी की सुचारू व्यवस्था के लिए नालों की सफाई एवं समय पर निगरानी आवश्यक है। मोती विहार कॉलोनी से नागफणी चौराहा तक के क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। नागफणी चौराहे पर स्थित नाले की अवरुद्धता को खत्म करके नाले की सफाई की गई थी। रामसेतु की फव्वारा चौराहे वाली भुजा पर दरार एवं धंसान आने पर किए गए मरम्मत कार्य का भी अवलोकन किया। तकनीकी अधिकारियों के साथ इस संबंध में चर्चा की गई। लोक बन्धु द्वारा रेलवे स्टेशन के बाहर मुख्य मार्ग तथा सेंट फ्रांसिस हॉस्पीटल क्षेत्र का भी जायजा लिया गया। कलक्टर ने निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस क्षेत्र में विशेष टीम लगाकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। अलवर गेट नाले के पास रखे पाइपों को हटाने के लिए कहा गया। नालों से बाहर निकाला हुआ मलबा सूखते ही तत्काल हटाया जाना चाहिए। 9 नम्बर पैट्रोल पम्प के पास एस्केप चैनल की निर्माणाधीन दीवार का अवलोकन करने के साथ ही गुणवत्तायुक्त कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान आमजन को आवागमन में कठिनाई नहीं होनी चाहिए। इसके लिए समस्त क्षेत्रों में त्वरित पंपिंग सेट लगाकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था तैयार रखने के निर्देश दिए।

बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीटी प्रस्तुती द्वारा दिया प्रशिक्षण

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार जिले के विधानसभा क्षेत्र में बीएलओ का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पंचायत समिति सभागार, डूंगरपुर में आयोजित प्रशिक्षण में उपखण्ड अधिकारी डूंगरपुर सावरलाल आबसरा ने बूथ लेवल अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन संबंधित कार्यो को गंभीरता पुर्वक समझकर बेहतर कार्य करे। एसएलएमटी वैभव पाठक नें प्रशिक्षण में उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों को निर्वाचन संबंधित नामावली अपडेट करने एवं संवैधानिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। आज यहां हुए बीएलओ प्रशिक्षण आयोजित पंचायत समिति सभागार डूंगरपुर, पंचायत समिति सभागार सीमलवाडा में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जहां पर कुल मिलाकर 100 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया दक्ष मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बीएलओ के कर्तव्य एवं उनके द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग से प्राप्त पीपीटी को प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी बीएलओ को दिखाते हुए प्रशिक्षित किया गया तथा प्रशिक्षण के पश्चात बीएलओ का मूल्यांकन भी किया गया।

बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण सत्र जारी, अब तक 120 बीएलओ हो चुके प्रशिक्षित

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के तहत निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी बीनू देवल के निर्देशन में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी है। 07 जुलाई 2025 से प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण के तहत 8 जुलाई को द्वितीय सत्र सम्पन्न हुआ, जिसमें मास्टर ट्रेनर दिलीप कुमार जैन, शंभूलाल जाट एवं हरीश कुमार शर्मा द्वारा बीएलओ को आवश्यक विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में बीएलओ को विभिन्न फार्मों की प्रक्रिया, फील्ड सर्वे, मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन, मतदाता सत्यापन एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के संचालन की बारीक जानकारी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त निर्वाचन विभाग के तकनीकी दिशानिर्देशों के अनुरूप बीएलओ को विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत फील्ड वर्क, 80+ आयु, मृतक, डुप्लीकेट एवं स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान हेतु भी निर्देशित किया गया। आगामी प्रशिक्षण पंचायत समिति सभागार में 09 जुलाई, 10 जुलाई एवं 15 जुलाई 2025 को आयोजित किए जाएंगे। अब तक 120 बीएलओ को प्रशिक्षित किया जा चुका हैं। प्रत्येक सत्र में 60 प्रशिक्षणार्थी बीएलओ भाग ले रहें हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी ने सभी बीएलओ से प्रशिक्षण में समय पर उपस्थित होकर निर्वाचन कार्यों को गंभीरता से सीखने एवं पालन करने की अपेक्षा जताई है।

शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का सपना हो रहा साकार

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण को समर्पित है और इसी भावना के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब, किसान, युवा एवं महिला इन चारों जातियों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे जिससे उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को गति मिलेगी। शर्मा मंगलवार को चूरू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चूरू अपनी अनूठी स्थापत्य कला और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। साथ ही, तालछापर अभयारण्य के काले हिरण और प्रवासी पक्षियों का कलरव प्रकृति प्रेमियों को एक अद्त अनुभव प्रदान करता है। यहां की कलात्मक हवेलियां, भित्तिचित्र और अन्य ऐतिहासिक धरोहर चूरू के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास से रूबरू कराती हैं।

आमजन को एक ही स्थान पर मिल रहा विभिन्न योजनाओं का लाभ

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों में रास्तों से अतिक्रमण हटाने, भूमि के स्वामित्व मिलने जैसे बरसों से लंबित काम पूरे हो रहे हैं। साथ ही, शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को पौध वितरण, मृदा नमूनों के संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, पशुपालकों को मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं।

गरीब कल्याण की योजनाओं से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का हो रहा उत्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं। उनके द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण की योजनाओं से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का उत्थान हो रहा है। साथ ही, उनके कुशल मार्गदर्शन में देश में अभूतपूर्व विकास कार्य के साथ-साथ आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशानुसार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की अवधारणा पर राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है।

महिला, युवा, किसान एवं गरीब के उत्थान के लिए हो रहा काम

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार को गरीब के हित से कोई सरोकार नहीं था जबकि हम गरीब को गणेश मानकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। किसानों को हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। वहीं, महिलाओं को लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरण, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना, मा वाउचर सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। युवाओं को हम पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि हमने शेखावाटी में यमुना जल लाने के लिए यमुना जल समझौते के लिए हरियाणा सरकार के साथ मिलकर टास्क फोर्स गठित की है।

सिलीसेढ झील अपर कैनाल की डिसिल्टिंग करवाने एवं अलवर शहर पेयजल योजना को गति देने के दिए निर्देश

-वन राज्यमंत्री ने किया सिलीसेढ झील क्षेत्र का दौरा

अलवर, (रॉयल पत्रिका)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सिलीसेढ झील क्षेत्र का दौरा कर सिलीसेढ झील अपर कैनाल की डिसिल्टिंग करवाने व अलवर शहर के लिए पेयजल योजना को गति देने के निर्देश दिये। वन राज्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिलीसेढ झील का ओवर फ्लो पानी अपर कैनाल के माध्यम से जयसमंद बांध में जाता है। इस अपर कैनाल की डिसिल्टिंग का कार्य करावे ताकि ओवर फ्लो पानी जयसमंद में निर्बाध रूप से जा सके। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि अलवर शहर के लिए बजट घोषणा के तहत स्वीकृत पेयजल योजना के कार्य को गति प्रदान करें।

तुलसी के पौधे किए वितरित, पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश—

मंत्री शर्मा ने नंगली सर्किल पर अलवर जिला व्यापार महासंघ की ओर से जगन्नाथ जी महाराज जानकी माता संग रथयात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित तुलसी वितरण कार्यक्रम में शिरकत कर आमजन को तुलसी के पौधे वितरित किए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में पेड-पौधों को देवतुल्य स्थान दिया गया है। उन्होंने व्यापार महासंघ द्वारा तुलसी जैसे धार्मिक एवं औषधीय पौधे वितरण करने की पहल की सराहना की। इससे पूर्व उन्होंने पूर्व पार्षद श्री रामजीलाल शर्मा के 92 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में सिलीसेढ क्षेत्र में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उनको जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए जन्म दिन पर पौधारोपण जैसे आयोजन कर पर्यावरण प्रकृति के संरक्षण का न केवल संदेश है बल्कि आने वाली पीढियों के लिए एक उपहार भी है।

46वें स्टोलेशन रोटरी क्लब कार्यक्रम में की शिरकत—

उन्होंने अलवर शहर में रोटरी क्लब के 46वें स्टोलेशन कार्यक्रम में शिरकत कर बबीता खण्डेलवाल को अध्यक्ष बनने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रोटरी क्लब के द्वारा समाज में रचनात्मक, शिक्षा, प्रकृति व जल संरक्षण, मूक बधिरों की सेवा की दिशा में कार्य निरन्तर किए जा रहे हैं जो कि अन्य संस्थाओं के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। इस दौरान डीएफओ अलवर राजेन्द्र सिंह हुड्डा सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के संबंध में जिला कलेक्टर ने ली बैठक

झुंझुनू,(रॉयल पत्रिका)। आगामी 15 अगस्त को होने वाले स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों के संबंध में जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को उनके विभागवार किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि संपूर्ण व्यवस्था निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर ली जाए, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने ध्वजारोहण, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण, वीआईपी एवं आमजन की बैठक व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था आदि के संबंध में चर्चा की। इस दौरान जिला परिषद सीईओ रणजीत गोदारा, अतिरिक्त कलेक्टर अजय कुमार आर्य सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बूथ लेवल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी कानाराम के निर्देशन में जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर नियुक्त समस्त बूथ लेवल अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण 3 से 17 जुलाई, 2025 के मध्य आयोजित किये जा रहे है।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 92 सवाई माधोपुर के बूथ लेवल अधिकारियों के द्वितीय बैच का प्रशिक्षण मंगलवार को जिला परिषद सवाई माधोपुर के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी अनूप सिंह ने बताया कि निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार आयोजित किये गये इस प्रशिक्षण शिविर में विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बूथ लेवल अधिकारियों को मतदाता सूची से सम्बन्धित कानूनी प्रावधान, मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने तथा मतदाता सूची में विद्यमान प्रविष्टियों में संशोधन के लिए भरे जाने वाले आवेदनों को भरने की प्रक्रिया, भारत निर्वाचन आयोग के वोटर्स पोर्टल तथा वोटर्स हैल्पलाईन एप्प द्वारा ऑनलाईन फार्म भरने की प्रक्रिया के सम्बन्ध विस्तार से जानकारी दी गई। दक्ष प्रशिक्षक संतोष कुमार शर्मा एवं विनोद कुमार बंसल द्वारा प्रशिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने के लिए रोल प्ले एवं केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होनें बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। इस पुनरीक्षण कार्यक्रम में बूथ लेवल अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग राजस्थान से दिशा निर्देश प्राप्त होने पर बूथ लेवल अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली गतिविधियों के सम्बन्ध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

जन सेवा, सुशासन और स्वच्छता प्राथमिकता में शामिल हों: डॉ. देबाशीष पृष्टी प्रभारी

-सचिव ने विकास कार्यों की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव तथा जिले के प्रभारी सचिव डॉ. देबाशीष पृष्टी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरीय निकायों में आवश्यक व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए जनकल्याण की दिशा में प्रभावी दिशा-निर्देश दिए गए। डॉ. पृष्टी ने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जनता को त्वरित राहत पहुंचाना, समयबद्ध समाधान और सुशासन की स्थापना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को जनहित के कार्यों में पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अंतिम छोर तक स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिदिन होने वाली जलापूर्ति के नमूने समय-समय पर लेकर जांच करवाने के निर्देश दिए ताकि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु प्रभावी निगरानी की जा सके। साथ ही, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग को अमरूदों में फैल रहे नीमाटोड रोग की विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रेषित करने को कहा गया।

शहरी विकास व स्वच्छता को मिले गति :- प्रभारी सचिव ने नगर निकायों, जिला परिषद सहित सभी ग्रामीण-शहरी विभागों को सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौरव पथ निर्माण, बरसात में जलभराव से निपटने हेतु ड्रेनेज योजना, आवारा पशुओं की रोकथाम, कचरा संग्रहण व निष्पादन हेतु जीपीएस ट्रैकिंग युक्त टिप्पर वाहनों की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। नगर परिषद को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई, कचरा उठाव, तथा मशीनों से मुख्य सड़कों की सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने रणथंभौर चौराहे एवं रोड पर यातायात को व्यवस्थित करने, गौरव पथ पर स्वच्छता व पशु नियंत्रण की व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जिले में पर्यटक सुविधाओं के विस्तार हेतु आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने पर बल दिया। योजनाओं की समीक्षा एवं निर्देश :- डॉ. पृष्टी ने स्वच्छ भारत मिशन 2.0, पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0, अमृत योजना 2.0, पीएम स्वनिधि योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की और त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने लठिया नाला के सौन्दर्यकरण हेतु जयपुर की द्रव्यवती नदी मॉडल पर आधारित प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजने को कहा। साथ ही नगर परिषद क्षेत्र में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एफएसटीपी, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत गुरूवार को पाली व सुमेरपुर दौरे पर रहेंगे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी व देवस्थान कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत जिले की एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत गुरूवार को पाली व सुमेरपुर दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार कैबिनेट मंत्री कुमावत गुरूवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर देव दर्शन व गुरू पूजन कार्यक्रम के तहत प्रातः 08:30 बजे ओम आश्रम जाड़न आएंगे। उसके बाद वे प्रातः 10 बजे त्यागीजी आश्रम बूसी पहुंचेंगे। वे प्रातः 11:15 बजे आशापुरा माताजी मंदिर गौर भाकरी बाला, सालेश्वर महादेव मंदिर गुडा प्रतापसिंह, लछेश्वर धाम जाएंगे। इसके पश्चात वे छापरिया माताजी मंदिर गिरवर पहुंचेगे। दोपहर एक बजे सुमेरपुर के बालराई स्थित कुबाजी महाराज मंदिर एवं डोवेश्वर महाराज मंदिर साण्डेरव पहुंचेगे। वे दोपहर 2 बजे निम्बेश्वर महादेव मंदिर एवं गंगावेरी धाम सांडेराव पहुंचेंगे। वे दोपहर 3 बजे सिन्दरू हनुमान मंदिर के दर्शन कर सिरोही के लिए प्रस्थान करेंगे।

अस्पतालों में आज मनाया जाएगा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस

सीकर,(रॉयल पत्रिका)। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को जिले के चिकित्सालयों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाएगा। अस्पतालों में चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर उनको गर्भावस्था में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि गर्भावस्था व प्रसव के दौरान जोखिम को कम करने के लिए विभाग की ओर से प्रत्येक माह की 9, 18 व 27 तारीख को जिले के सभी सरकारी चिकित्सालयों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है। जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं को शिशु स्वस्थ हो और प्रसव के दौरान होने वाले जोखिम के बारे में जानकारी दी जाती है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने बताया कि चिकित्सालयों में गर्भवती की हिमोग्लोबिन, एचआईवी, सिफलिस, ब्लड प्रेशर, तापमान की जांच, हृदय स्पंदन व प्रसव से संबंधित जटिलताओं की जांच की जाएगी।

विजय ने टाइटैनिक से की अर्जुन रेड्डी की तुलना

मुंबई। साउथ स्टार विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म किंगडम को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस दौरान विजय ने अपनी सबसे बड़ी हिट फिल्म अर्जुन रेड्डी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वो नहीं चाहते कि लोग अर्जुन रेड्डी को भूल जाएं। जैसे मैं लियोनार्डो डिकैप्रियो की टाइटैनिक को हमेशा याद रखूंगा, लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि वह कोई और अच्छा काम नहीं कर सकते या नहीं करेंगे। लेकिन, वह हमेशा इससे जुड़े रहेंगे। इसलिए लोगों का मेरे साथ ऐसा रिश्ता हो सकता है और अर्जुन रेड्डी की वजह से उनका मेरे प्रति लगाव हो सकता है। इसलिए मैंने उस लड़ाई को एक तरफ रख दिया है।

लाइफ Style

शेफाली

हॉलीवुड एक्टर ब्रैड पिट की हुई दीवानी

शेफाली शाह ने इंस्टाग्राम पर सोमवार रात एक पोस्ट साझा की, जिसमें वह हॉलीवुड एक्टर के अभिनय को जमकर सराहा रही हैं। साथ ही लोगों से एक गुजारिश भी कर रही हैं। आखिर क्यों इस कदर शेफाली शाह पर ब्रैड पिट का खुमार छाया हुआ?

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हाल ही में हॉलीवुड एक्टर ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ1' रिलीज हुई। यह फिल्म भारत में भी कमाल का कलेक्शन कर रही है। फिल्म की कहानी फॉर्मूला वन रेसिंग के ईद-गिर्द घूमती है। इस फिल्म और ब्रैड पिट की तारीफ शेफाली शाह कर रही हैं। वह अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'अगर आपने फिल्म एफ1 नहीं देखी है, तो अभी जाइए। आपको स्पोर्ट्स में इंट्रेस्ट हो या न हो। चाहे आपको रेसिंग के बारे में कुछ पता हो या न हो, चाहे आपको रेसिंग कारों में दिलचस्पी हो या न हो, बस इसे देखने जाइए। शेफाली शाह आगे अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'यह फिल्म रेसिंग के बारे में है। लेकिन, यह सफलता और असफलता के बारे में हैं। दोस्ती, जुनून और टीम बॉन्डिंग के बारे में है। फिल्म और इसकी कहानी के बारे में शेफाली तारीफों के पुल बांधती हैं। आखिर में वह लिखती हैं, 'ओह, मैंने ब्रैड पिट बारे में जिक्र नहीं किया? किया भी नहीं जा सकता है, क्योंकि कहने को तो मेरे पास शब्द ही नहीं हैं। ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ1' के भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इसने अब तक 53.20 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया। इस फिल्म को भारतीय सिनेमाघरों में 11 दिन हो चुके हैं।

हॉलीवुड मसाला

सुपरमैन 11 को होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। जेम्स गन के डायरेक्शन में बनी डीसी सिनेमैटिक यूनिवर्स की रीबूट 'सुपरमैन' फिल्म इस शुक्रवार, 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच अमेरिका में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। इसमें कुछ पत्रकार भी शामिल थे। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म के रिव्यूज पर रिलीज तक रोक लगा रखी थी, लेकिन अमेरिकी वेबसाइट 'द डेली बीस्ट' ने इस पाबंदी को अनसुना कर 'सुपरमैन' का फर्स्ट रिव्यू शेयर कर दिया। मजेदार बात ये है कि समय रहते मेकर्स ने इसे वेबसाइट से हटवा दिया है।

डकोटा को क्रिस के साथ लाने के लिए मां कर रही हैं प्रयास

लॉस एंजिल्स। डकोटा जॉनसन और क्रिस मार्टिन का अफेयर चर्चा में रहा है। लेकिन, बीते दिन आई इनके ब्रेकअप की खबर ने सबको चौंका दिया है। बताया गया कि कथित तौर पर करीब आठ साल साथ रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को खत्म कर दिया है। जबकि पहले की रिपोर्टों में ऐसा दावा किया गया था कि ये फैसला दोनों ने आपसी रजामंदी से लिया है। लेकिन, नई जानकारी के मुताबिक, दोनों के लिए ये ब्रेकअप मुश्किलभरा रहा है। अब डकोटा की मां ने इनके रिलेशनशिप पर रिएक्ट किया है। दरअसल, डकोटा जॉनसन की मां मेलानी ग्रिफिथ इनके ब्रेकअप को मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं। उन्हें अभी भी लगता है कि इनका रिश्ता ठीक हो सकता है। 'मेलानी अपनी बेटी डकोटा के क्रिस के साथ इस बिखरे रिश्ते को सही करने की कोशिश कर रही हैं।

बदनाम होकर भी नाम कमाने का गुमान

मुंबई। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो पर पूरे देश में बवाल मचा था। समय रैना और उस विवादित एपिसोड में आए सभी गेस्ट रणवीर अल्लाहबादिया, अपूर्वा मखीजा और आशीष चंचलानी को आलोचना का सामना करना पड़ा था। लेकिन, अपूर्वा का कहना है कि वो आभारी और खुश हैं कि ये विवाद हुआ। 'बदनाम हुए तो क्या नाम ना होगा...' ये कहावत अपूर्वा पर खूब फब रही है। खुद उनका भी कुछ यही कहना है। कुछ महीने पहले कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' को लेकर जमकर विवाद हुआ था। इस विवादित एपिसोड में शामिल हुईं अपूर्वा को भी खूब खरी-खोटी सुननी पड़ी थी। अब 'द रिबेल किड' का कहना है कि वो बहुत खुश हैं कि ये विवाद हुआ। हालांकि, उन्होंने ये भी खुलासा किया कि अगर ये किसी और के साथ हुआ होता तो सह नहीं पाता।

स्टार पत्नियों की कहानी दिखाएंगे मधुर

मुंबई। अपनी कहानियों के जरिए फैशन और ग्लैमर इंडस्ट्री के पीछे की कहानी दिखाने वाले निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को दिखाने की कोशिश करेंगे। उनकी फिल्म 'द वाइव्स'बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस महिलाओं के पीछे छिपी अनकही सच्चाई को उजागर करेगी। फिल्म मंगलवार से फ्लोर पर आ गई है। 'द वाइव्स' में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की मंगलवार से शूटिंग शुरू हो गई है। इस फिल्म को लेकर मधुर भंडारकर का कहना है कि 'द वाइव्स' के साथ मैं समाज की एक और ग्लैमरस परत को हटाना चाहता हूं।

टीवी मसाला

25 साल बाद सीरियल की वापसी कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई शूटिंग

नई दिल्ली। एकता कपूर प्रोड्यूस सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का सीजन भी जल्द टीवी पर टेलीकास्ट होगा। नए सीजन में भी दर्शकों को स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय, तुलसी और मिहिर के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही सीरियल में अपनी वापसी के बारे में स्मृति ईरानी ने भी ऑफिशियल स्टेटमेंट दिया है। इन दिनों सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की शूटिंग चल रही है। मगर, इस शूटिंग को पूरी तरह से सीक्रेट रखा जा रहा है। सेट पर मोबाइल फोन लाने की इजाजत नहीं है। बताया जा रहा है कि सभी एक्टर्स के फोन पर टेप चिपका दिए गए हैं, जिससे कोई जानकारी बाहर न जा सके। सेट पर काम करने वाले सभी लोगों से गोपनीयता का समझौता साइन करवाया गया है। स्मृति ईरानी को जेड-प्लस की सुरक्षा दी गई। नए सीजन की कहानी का जहां तक सवाल है तो इस बार फैमिली इमोशन के साथ सोशल, पॉलिटिकल मुद्दों को भी सीरियल में जोड़ा जाएगा। इस बार सीरियल के महज 150 एपिसोड ही दर्शकों को देखने को मिलेंगे। बताते चलें कि 25 साल पहले 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने लगभग 1000 से अधिक एपिसोड पूरे किए थे। नया सीजन मिड जुलाई में टेलीकास्ट होगा।

राम गोपाल बजाज बने मंजू देवी के पिता

नई दिल्ली। 'पंचायत' देश की सबसे हिट और पॉपुलर वेब सीरीज रही है, जिसके हर किरदार को दर्शकों ने बेशुमार प्यार दिया है। हाल ही इसका चौथा सीजन आया, जिसकी खूब चर्चा रही। हालांकि, इस पर दर्शकों का

उतना प्यार नहीं बरसा, जितना पिछले तीन सीजन पर बरसा, पर एक नए किरदार ने सबका दिल जीत लिया। ये किरदार न होता, तो शायद 'पंचायत सीजन 4' अधूरा रहता। यह किरदार है नाना जी का, जो फुलेरा गांव की प्रधान मंजू देवी के पिता और बृजभूषण दुबे के ससुर हैं। पर जिसने यह किरदार निभाया, उस एक्टर के बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। एनएसडी वाले भी इनके पैर छूते हैं और दिवंगत स्टार इरफान से इनका कनेक्शन है। यह किरदार एक्टर राम गोपाल बजाज ने निभाया है, जो मशहूर थिएटर डायरेक्टर हैं। उन्होंने नाना जी के किरदार में अचानक से 'पंचायत 4' में एंट्री मारी और हर सीन लूट ले गए। उनकी पंच लाइन और डायलॉग्स ने भी दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर भी नाना जी की ही चर्चा ज्यादा हुई। 'आशीर्वाद कोई जादू-टोना थोड़ी ना है, जैसी करनी वैसी भरनी।', 'जो जैसा काम करेगा, वैसा फल पाएगा'...ये डायलॉग दर्शकों की जुबां पर चढ़ गए।

रोमांस, म्यूजिक और इमोशन्स से सजी है सैयारा की कहानी

मुंबई। यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी की जोड़ी पहली बार साथ आई है और उनकी ये पेशकश 'सैयारा' पहले से ही रोमांटिक फिल्मों के प्रेमियों में जबरदस्त हलचल मचा रही है। ट्रेलर के रिलीज के साथ ही ये फिल्म चर्चा में आ गई है। रोमांस, म्यूजिक और इमोशन्स से भरी इस कहानी ने यंग जनरेशन का दिल जीत लिया है। अहान पांडे और अनीत पड्डा इस फिल्म से अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। 'सैयारा' का ट्रेलर जैसे ही सामने आया, सोशल मीडिया पर प्यार की बारिश होने लगी। ट्रेलर में एक युवा कलाकार और उसकी लेखिका के बीच पनपता प्यार दिखाया गया है, जो वक्त के साथ एक भावुक मोड़ लेता है। दोनों डेब्यू कलाकारों की केमिस्ट्री इतनी सच्ची और गहराई लिए हुए है कि दर्शक खुद को रोक नहीं पा रहे। कहानी में जिस तरह से प्रेम, दूरी और दर्द को बुना गया है, उसने लोगों की भावनाओं को झकझोर दिया।

संगीत बना फिल्म की जान

इस फिल्म का म्यूजिक पहले ही सुर्खियों में है और आलोचकों से लेकर दर्शकों तक सभी इसकी तारीफ कर रहे हैं। सैयारा का टाइटल ट्रैक फ़हीम-अर्सलान की जोड़ी ने कम्पोज किया है और ये श्रोताओं के दिलों में घर कर गया है। जुबिन नौटियाल की आवाज में बर्बाद, विशाल मिश्रा का तुम हो तो, सचेत-परंपरा का हमसफ़र और अरिजीत सिंह व मिथुन की जुगलबंदी में धुन, सभी गाने म्यूजिक चार्ट पर टॉप कर रहे हैं।

ओटीटी पर इस हफ्ते स्पेशल ऑप्स 2

आप जैसा कोई, मिट्टी समेत 9 नई सीरीज और फिल्में

मुंबई। जुलाई के इस नए हफ्ते में जहां सिनेमाघरों में राजकुमार राव एक्शन अवतार में मालिक बनकार आ रहे हैं, वहीं विक्रांत मैसी के साथ शनाया कपूर की डेबयू फिल्म आंखों की गुस्ताखियां भी रिलीज हो रही है। लेकिन, यदि आपका दिल थिएटर जाने का नहीं है, तो ओटीटी पर घर बैठे एक-दो नहीं, बल्कि 9 नई वेब सीरीज और फिल्मों का लुत्फ उठा सकते हैं। इनमें सबसे खास जहां केके मेनन की स्पेशल ऑप्स 2 है, जिसमें वह रॉ अधिकारी हिम्मत सिंह बनकर वापस आ रहे हैं। वहीं, आर माधवन और फातिमा सना शेख की आप जैसा कोई भी रिलीज हो रही है। टोविनो थॉमस की मलयालम एक्शन फिल्म नारिवेट्टा भी हिंदी में आ रही है। वहीं, गांव की सादगी भरी कहानी 'मिट्टी' भी रिलीज हो रही है।

आप जैसा कोई : आर माधवन और फातिमा सना शेख की फिल्म आप जैसा कोई लगातार चर्चा में है। अब यह ओटीटी पर इसी हफ्ते 11 जुलाई को रिलीज हो रही है। कहानी एक शर्मीले स्वभाव वाले संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी की है, जिसकी राहें एक फ्रेंच की टीचर मधु बोस से टकराती हैं। दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल उलट हैं। लेकिन, यहां अपोजिट अट्रैक्ट वाला फॉर्मूला काम करता है। दोनों के बीच प्यार पनपता है। पुरातन सोच, उम्र का बंधन, संस्कृतियों की दीवारें टूटती हैं।

स्पेशल ऑप्स सीजन 2 : केके मेनन तीसरी बार फिर से रॉ एजेंट हिम्मत सिंह बनकर ओटीटी की दुनिया में धूम मचाने आ रहे हैं। नीरज पांडे की बेहद पॉपुलर वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स सीजन 2 भी इसी हफ्ते रिलीज हो रही है। इससे पहले हम स्पेशल ऑप्स और स्पेशल ऑप्स1.5' में देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक मिशन की बानगी देख चुके हैं। इस नए सीजन में दुश्मन नए जमाने का है। कहानी सायबर-आतंकवाद पर है। सीरीज में इस बार फिर से जहां हमें करण टैकर, विनय पाठक, मुजम्मिल इब्राहिम, सैयामी खेर और मेहर विज देखने को मलेंगे, वहीं ताहिर राज भसीन और प्रकाश राज की भी एंट्री हुई है।

मिट्टीः एक नई पहचान : मिट्टीः एक नई पहचान एक दिल को छू लेने वाली ग्रामीण भारत की कहानी पर बनी है। सीरीज में इश्वाक सिंह, श्रुति शर्मा, दीक्षा जुनेजा, योगेन्द्र टिकू और अल्का अमीन प्रमुख किरदारों में हैं। यह एक ऐसे संसार की झलक है, जो अपनापन और परंपराओं से भरपूर है, लेकिन अब बदलाव की दहलीज पर है। कहानी के केंद्र में शहर का एक सफल विज्ञापन कार्यकारी राघव है, जिसकी जिंदगी तब बदल जाती है, जब वह उस गांव की ओर लौटता है, जिसे वह कभी अपना घर कहा करता था। अपने दादा को अंतिम विदाई देने के लिए शुरू हुआ राघव का यह सफर, धीरे-धीरे एक ऐसी यात्रा बन जाता है जहां उसे फिर से अपने उद्देश्य, अपने लोगों और उस जगह की तलाश है, जिसे वह कभी पीछे छोड़ चुका था। 'मिट्टी' वेब सीरीज गुरुवार, 10 जुलाई को रिलीज होगी।

चाइल्ड आर्टिस्ट इंडस्ट्री में कदम रखने वाली नीतू कपूर ने एक से बढ़कर एक फिल्म में किया काम

आरके स्टूडियो में मुलाकात, जहरीला इंसान के सेट पर प्यार

कॅरियर के शीर्ष पर नीतू सिंह ने लिया शादी का फैसला

नीतू कपूर ने साल 1980 में ऋषि कपूर से शादी रचाई। अभिनत्री जब कपूर परिवार की बहू बनीं, तो वे अपने कॅरियर के शीर्ष पर थीं। ऋषि कपूर के साथ उनकी लव स्टोरी भी कम फिल्मी नहीं। नीतू कपूर शुरुआत में चिंटूजी को पसंद तक नहीं करती थीं। फिर साथ काम करते-करते बातचीत शुरू हुई तो दोनों अच्छे दोस्त बने। यहां तक कि ऋषि कपूर की रूठी गर्लफ्रेंड को मनाने के लिए नीतू सिंह चिट्ठी लिखने में मदद करती थीं। फिर, एक पल ऐसा आया कि दोनों सितारे एक-दूजे को ही दिल दे बैठे।

ऋषि कपूर को पसंद नहीं करती थीं नीतू

नीतू कपूर और ऋषि कपूर की पहली मुलाकात आरके स्टूडियो में हुई। फिर फिल्म जहरीला इंसान के सेट पर दोनों करीब आए। एक इंटरव्यू के दौरान नीतू कपूर ने बताया था कि, मैं पहली बार उनसे (ऋषि) आरके स्टूडियो में मिली थी, जहां उनकी फिल्म 'बॉबी' की शूटिंग चल रही थी। लेकिन, हमारी ठीक से जान-पहचान फिल्म जहरीला इंसान के सेट्स पर हुई। मुझे पहली बार उनसे मिलकर बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वो मुझे बात-बात पर टोकते रहे और मुझे लगा कि वो एक बहुत ही रूखे इंसान हैं। लेकिन, फिर आहिस्ता-आहिस्ता दोस्ती हो गई और फिर शादी।

__मुंबई।__ 'माफ करना जमुना मैंने तुम्हें पगली कहा', अगर आप इंस्टाग्राम की दुनिया से परिचित हैं तो इस डायलॉग पर रील आपकी नजरों से जरूर गुजरी होंगी। सोशल मीडिया पर इस पर धड़ाधड़ रील बन रही हैं। बता दें कि यह डायलॉग साल 1968 में आई फिल्म 'दो कलियां' का है। फिल्म में यह डायलॉग जिस बच्ची ने बोला, आज जमाना उसे अभिनेत्री नीतू कपूर के नाम से जानता है। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट इंडस्ट्री में कदम रखने वाली नीतू कपूर ने एक से बढ़कर एक फिल्म में काम किया है।

चिंटू जी ने इस तरह कही दिल की बात

ऋषि कपूर और नीतू कपूर की ऑनस्क्रीन जोड़ी भी सुपरहिट रही। 70 के दशक में इनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी पसंद की गई। ऋषि कपूर और नीतू सिंह के बीच अच्छी दोस्ती का रिश्ता बन चुका था। एक दिन ऋषि कपूर ने नीतू कपूर से पूछा कि वे इतनी फिल्में क्यों साइन कर रही हैं, क्या उन्हें शादी-वादी नहीं करनी है? इस पर नीतू ने जवाब दिया, 'किससे करूं मैं शादी'? बस इसी पल ऋषि कपूर ने अभिनेत्री को प्रपोज कर दिया और कहा, 'मुझसे'। इस तरह दोनों की शादी हो गई। ऋषि कपूर अब इस दुनिया में नहीं हैं। अप्रैल 2020 में उनका निधन हो गया।

ऋषि कपूर ने प्यार और शादी पर कही थी ये बात

एक बार दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर ने अपनी और नीतू की पहली मुलाकात का किस्सा याद करते हुए कहा था कि 'हम एक-दूसरे के लिए बने थे। बस, जो कहा वो पूरा हो गया। हमारी मुलाकात बहुत जल्दी हो गई थी। जब मैंने अपने कॅरियर की शुरुआत की थी, तब डिंपल कपाड़िया की शादी हो गई थी, ऐसे में मेरे पास काम करने के लिए कोई हीरोइन नहीं थी। इस तरह मैंने नीतू के साथ बहुत सारा काम किया। कभी-कभी तो एक दिन में दो शिफ्ट्स भी किए। एक-दूसरे के साथ हम ज्यादा समय बिताने लगे, जिसकी वजह से हमारे बीच नजदीकियां भी बढ़ने लगीं और हम प्यार में पड़ गए। हम शादी करना चाहते थे। हमारी बड़ी ही नार्मल लाइफ रही है। दूसरे कपल की तरह हमारे बीच भी झगड़े और बहस होते हैं, पर अंत में सब ठीक हो जाता है। हमारे लिए ये सब बहुत आसान रहा है'।

खबर संक्षेप

सैयामी ने दो बार में पूरी की आयरनमैन 70.3 ट्रायथलन

नई दिल्ली। अभिनेत्री सैयामी खेर एक साल में दो बार आयरनमैन 70.3 ट्रायथलन पूरा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। आयरनमैन 70.3 दुनिया की सबसे कठिन 'एंड्यूरेंस चुनौतियों' में से एक है, जिसमें खिलाड़ियों को एक ही दिन में 1.9 किमी खुले पानी में तैराकी, 90 किमी साइकिल चलाना और 21.1 किमी हाफ मैराथन दौड़ में भाग लेना होता है। सैयामी ने पहली बार आयरनमैन 70.3 को सितंबर 2024 में पूरा किया और 6 जुलाई को स्वीडन के जोन्कोपिंग में दूसरी बार इस चुनौती को पूरा किया। अभिनेत्री ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया और दूसरी बार आयरनमैन 70.3 पूरा करने की जानकारी दी।

मुंबई टीम के सहायक कोच बने राणाडे

मुंबई। धवल कुलकर्णी मुंबई के गेंदबाजी कोच के रूप में बने रहेंगे जबकि अतुल राणाडे को मुंबई की सीनियर पुरुष टीम का सहायक कोच और ब्राविश शेट्टी को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने यह घोषणा की। मुंबई की टीम पिछले घरेलू सत्र में रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची थी जबकि 2023-24 सत्र में उसने रिकॉर्ड 43वीं बार इस खिताब को अपने नाम किया था। टीम इसके साथ ही ईरानी कप और विजय हजारे ट्रॉफी का चैंपियन बनने में सफल रही जबकि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा। एमसीए ने पहले ही ओंकार साल्वी को मुख्य कोच के रूप में बरकरार रखा था।

रऊफ-शादाब पाकिस्तान टी20 टीम से बाहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और आलराउंडर शादाब खान चोटिल होने के कारण इस महीने बांग्लादेश में होने वाली टी-20 श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। रऊफ को पिछले सप्ताह अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि शादाब ने हाल ही में कंधे की सर्जरी करवाई है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के दौरे के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की, जिसमें अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और सलमान मिर्जा को भी शामिल किया गया है।

पहलवान रीतिका हुड्डा डोप परीक्षण में विफल होने पर निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती को बड़ा झटका लगा जब 2023 में देश की पहली अंडर-23 विश्व चैंपियन बनीं प्रतिभाशाली पहलवान रीतिका हुड्डा को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण नाडा (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी) द्वारा अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया और उन पर चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। हैवीवेट 76 किग्रा वर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं 22 वर्षीय रीतिका का 15 मार्च को एशियाई चैम्पियनशिप के लिए चयन ट्रायल के दौरान परीक्षण किया गया और उनके मूत्र के नमूने में 'एस1.1 एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड' के अंश पाए गए जो एक प्रतिबंधित पदार्थ है। रीतिका ने पीटीआई से कहा, ''अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मैं अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करूंगी। मुझे नाडा और (कुश्ती) महासंघ पर पूरा भरोसा है। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकती।'' रीतिका आगे की जांच के लिए 'बी नमूना' देने पर विचार कर रही हैं।

विंबलडन : कोहनी की चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद सिनर पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर सेमीफाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन से भिड़ेंगे

एजेंसी ▶▶| लंदन

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिनी कोहनी में चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी ग्रिगोर दिमित्रोव के पेक्टोरल मांसपेशी में चोट लगने के कारण बाहर हो जाने से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोई भी सेट नहीं गंवाया था, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने उनके खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया। यह लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसमें 34 वर्षीय दिमित्रोव मैच पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे, जिससे उनकी कोहनी चोटिल हो गई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अमेरिका के बेन शेल्टन से भिड़ेंगे।

मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को हराकर अंतिम 8 में बनाई जगह

इस बीच महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 वर्षों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। एंड्रीवा का अगला मुकाबला बेलिंडा बेनसिक से होगा, जो ऑल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण करने के 11 साल बाद पहली बार विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। बेनसिक ने 18वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6 (4), 6-4 से हराया। इसके अलावा लियुडमिला सैमसोनोवा नंबर दो कोर्ट पर जेसिका बौजास मानेरो को 7-5, 7-5 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंची। सैमसोनोवा ने इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना इगा स्वियाटेक से होगा, जो क्लारा टॉसन को 6-4, 6-1 से हराकर दूसरी बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। पुरुष वर्ग में मारिन सिलिच को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू हुए चौथे दौर के मैच में फ्लेवियो कोबोली से 6-4, 6-4, 6-7 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से

लॉर्ड्स में होगी असली परीक्षा! अब तक 19 मुकाबलों में टीम इंडिया ने जीते मात्र तीन

एजेंसी ▶▶| लॉर्ड्स

भारत और इंग्लैंड के बीच हो रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज का तीसरा मुकाबला ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान में 10 जुलाई से खेला जाना है। भारत ने इस मैदान पर अभी तक 19 मैच खेले हैं, लेकिन भारत का रिकॉर्ड यहां पर इतना अच्छा नहीं है। हालांकि, टीम इंडिया के लिए अच्छी बात यह है कि शुभमन गिल की अगुवाई में भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन में 336 रनों से हराया है।

भारत का लॉर्ड्स के मैदान में रिकॉर्ड

भारत ने लॉर्ड्स में 1932 से अभी तक 19 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 3 मैच जीते हैं जबकि 12 मैच में टीम को हार मिली है। वहीं 4 मैच ड्रा हुए हैं। भारत का हार जीत का रिकॉर्ड 0.25 का है। भारत ने सबसे पहले 1932 में यहां पर मुकाबला खेला था, जिसमें उसमें 158 रनों से हरा का सामना करना पड़ा था। भारत को इस मुकाबले में पहली जीत 1986 में मिली थी, जब चेतन शर्मा, कपिल देव की शानदार गेंदबाजी और दिलीप वेंगसरकर की पहली पारी में शतकीय पारी के दम पर भारत ने जीत दर्ज की थी।

बुमराह की वापसी की संभावना

दूसरी तरफ भारतीय टीम की बात करें तो एजबेस्टन टेस्ट में स्टार गेंदबाज कहे जानें वाले जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया था। लेकिन लॉर्ड्स टेस्ट में उनकी वापसी लगभग तय है। कप्तान शुभमन गिल ने भी संकेत दिए थे कि बुमराह अगला मैच खेलेंगे। बुमराह की वापसी से टीम इंडिया के बॉलिंग अटैक को और मजबूती मिलेगी।

आर्चर की वापसी से बढ़ी उम्मीद

इंग्लैंड टीम के लिए एक राहत की खबर यह भी है कि स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे टेस्ट के लिए पूरी तरह फिट हैं और चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। ऐसे में इंग्लैंड की प्लेइंग 11 में बदलाव तय माने जा रहे हैं, खासकर पेस अटैक को और मजबूत करने की दिशा में।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है और क्रॉली सुधार नहीं कर सकतेः बॉयकॉट

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय बीत चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने अपने कालम में लिखा 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।' बॉयकॉट ने लिखा, ''क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।' क्रॉली के मामले में बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज इससे बेहतर नहीं हो सकता।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग

दीप्ति को एक स्थान का फायदा गेंदबाजी में पहुंचीं दूसरे नंबर पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं।

दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई। टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है।

अरुंधति रेड्डी 43वें स्थान पर पहुंची

दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है और यह ऑफ स्पिनर अंतिम दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी से शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है। भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने ब्रिस्टल में श्रृंखला के दूसरे मैच में अर्धशतक जमाया था।

आईएसएसएफ विश्व कप

फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंचे भवतेग, मैराज और गनेमत

एजेंसी ▶▶| लोनाटो (इटली)

भारतीय निशानेबाज भवतेग सिंह गिल ने दूसरे दिन 25 के दो परफेक्ट राउंड बनाकर खुद को मैराज अहमद खान के साथ यहां आईएसएसएफ विश्व कप (शॉटगन) में पुरुषों की स्कीट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखा। पहले चार क्वालीफाइंग राउंड के बाद इन दोनों का स्कोर 98 है। अभी दो क्वालीफाइंग राउंड खेले जाने बाकी हैं। महिलाओं की स्कीट में गनेमत सेखों भी 24-24 राउंड के साथ फाइनल में पहुंचने की मजबूत दावेदार बनी हुई है। उनका कुल स्कोर 96 रहा और वह अभी आठवें स्थान पर हैं।

दो राउंड में गनेमत एक-एक निशाना चूकी

गनेमत ने सोमवार को ट्रैप कॉनकेवर्डे में अपने क्वालीफाइंग राउंड की शुरुआत 10वें स्थान से की। निर्धारित दो राउंड में वह एक-एक निशाना चूक गईं, जिससे दूसरे दिन के अंत में वह आठवें स्थान पर पहुंच गईं। छह निशानेबाज फाइनल में जगह बनाएंगे। प्रतियोगिता में भाग ले रही दो अन्य भारतीय ओलंपियन माहेश्वरी चौहान और राइजा ढिल्लों क्रमशः 96 और 93 के स्कोर के साथ 27वें और 28वें स्थान पर हैं। अमेरिका की डानिया जो विज्जी 98 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

भारतीय स्कीट निशानेबाज लोनाटो विश्व कप में प्रभावित करने में विफल रहे

नई दिल्ली। भारतीय स्कीट निशानेबाजों का मंगलवार को लोनाटो में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के तीसरे दिन के क्वालिफिकेशन राउंड में निराशाजनक प्रदर्शन रहा, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में से कोई भी फाइनल में जगह नहीं बना पाया। पुरुष वर्ग में 49 साल के अनुभवी मेराज अहमद खान तीन दिन तक चले क्वालीफिकेश में 24, 25, 24, 25, 23 के निशाने के साथ 125 में 121 अंक जुटा कर 34वें स्थान पर रहे। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका (24, 24, 24, 23, 24) कुल 119 अंकों के साथ 176 निशानेबाजों में 64 वें स्थान पर रहे जबकि भवतेघ सिंह गिल ने 119 (23, 25, 25, 25, 21) अंक हासिल कर 75वां स्थान प्राप्त किया। अमेरिका के विंसेंट हैनकॉक ने फाइनल में 26 का स्कोर कर स्वर्ण पदक जीता।

टी-20: मैच जीतने के लिए हरमनप्रीत और शेफाली को दिखाना होगा दम

मैनचेस्टर। भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पिछले 20 साल में पारी और 236 रन से सबसे बड़ी शिकस्त दी

भाषा ▶▶| बुलावायो

दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया। दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गयी थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गयी। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाये जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था। मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये।

जिंबाब्वे के तेज गेंदबाज मातिगिमु को लगा जुर्माना

जिंबाब्वे के तेज गेंदबाज कुंदई मातिगिमु पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन 'अनुचित और खतरनाक' तरीके से गेंद फेंकने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 72वें ओवर के दौरान हुई जब मातिगिमु ने गेंदबाजी करने के बाद वापसी आई गेंद को रोका और बल्लेबाज लुआन डि प्रीटोरियस की ओर फेंका, जो उनकी कलाई पर लगी। मातिगिमु ने खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.9 का उल्लंघन किया।

एशियाई जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप

साईराज परदेसी ने जीता कांस्य पदक

अस्ताना। भारत के साईराज परदेसी ने मंगलवार को यहां एशियाई जूनियर (पुरुष और महिला) भारोत्तोलन चैंपियनशिप के 86 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। खेलो इंडिया युवा खेलों में 81 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान तीन युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले परदेसी ने कुल 338 किग्रा वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 152 जबकि क्लीन एवं जर्क में 186 किग्रा वजन उठाया। महाराष्ट्र के मनमाड के रहने वाले परदेसी ने दोहा में 2024 एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

आरसीबी का मूल्यांकन 26 करोड़ 90 लाख डॉलर

आईपीएल खिताब जीतकर सबसे कीमती फ्रेंचाइजी बनी आरसीबी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल खिताब के 17 साल के सूखे के अंत से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मूल्यांकन बढ़कर 26 करोड़ 90 लाख डॉलर हो गया, जिससे यह फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पछाड़कर मूल्यांकन के मामले में शीर्ष पर पहुंच गई है।

मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया। एक निवेश बैंक हुलिहान लोके की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से संचालित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मूल्यांकन 13.8 प्रतिशत बढ़कर तीन अरब 90 करोड़ डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक व्यवसाय के रूप में आईपीएल का मूल्य 12.9 प्रतिशत बढ़कर 18 अरब 50 करोड़ डॉलर हो गया है।

चेन्नई सुपरकिंग्स को पछाड़कर पहुंचा शीर्ष पर

मुंबई इंडियंस दूसरी सबसे कीमती फ्रेंचाइजी

अंबानी परिवार की ओर संचालित मुंबई इंडियन्स का मूल्यांकन 24 करोड़ 20 लाख डॉलर तक बढ़ गया है, जिससे यह दूसरी सबसे कीमती फ्रेंचाइजी बन गई है। निराशाजनक सत्र के बाद इंडिया सीमेंट्स के एन. श्रीनिवासन के स्वामित्व वाला सीएसके एक साल पहले के शीर्ष स्थान से 2025 में तीसरे नंबर पर खिसक गया। इस फ्रेंचाइजी का ब्रांड मूल्य 23 करोड़ 50 लाख डॉलर है। शाहरुख खान की कोलकाता नाइट राइडर्स 22 करोड़ 70 लाख डॉलर के साथ ब्रांड मूल्य के मामले में चौथे स्थान पर है जबकि सनराइजर्स हैदराबाद 15 करोड़ 40 लाख डॉलर के मूल्यांकन के साथ पांचवें स्थान पर रहा। पंजाब किंग्स ने 2025 में 39.6 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि हासिल की। यह फ्रेंचाइजी 14 करोड़ 10 लाख डॉलर के मूल्यांकन के साथ नौवें स्थान पर है। टीम नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में 2025 के टूर्नामेंट में उपविजेता रही।

राजस्थान के चूरू में वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश: गांव में मौत और मलबे की दहशत

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले में बुधवार सुबह भारतीय वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान (Jaguar Fighter Jet) क्रैश हो गया। हादसे में पायलट और को-पायलट दोनों शहीद हो गए। घटना इतनी भयावह थी कि विमान के टुकड़े गांव में कई सौ मीटर तक बिखर गए। गांव वालों ने बताया कि विमान में धमाके के साथ आग का गोला बना और फिर खेतों में गिरकर धू-धू कर जल गया। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया है। इस हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट शहीद हो गए हैं। जिस जगह प्लेन क्रैश हुआ, वहां बड़े इलाके में फाइटर जेट का मलबा बिखरा पड़ा है। यह हादसा बुधवार (9 जुलाई) को दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर हुआ। भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की है। चूरू एसपी जय यादव ने बताया- राजलदेसर थाना क्षेत्र के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले तकनीकी कारणों से पायलट इजेक्ट नहीं कर पाए। पिछले 5 महीनों में देश भर में तीन जगुआर क्रैश हो चुके हैं।

सूरतगढ़ से उड़ा था ट्रेनी जगुआर जेट

सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट श्रीगंगानगर के पास सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ा था। यह जेट टू सीटर था, ट्रेनिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक उन्होंने पहले विमान की गड़गड़ाहट सुनी, फिर जोरदार धमाके की आवाज आई। इसके बाद प्रशासन को घटना की जानकारी दी गई। घटना के ठोस कारणों का पता फिलहाल नहीं चला है। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। घटनास्थल पर सेना का एक हेलिकॉप्टर भी पहुंचा है, इस हेलिकॉप्टर को सड़क पर लैंड कराया गया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने विमान क्रैश हादसे पर जताया शोक

सीएम भजनलाल शर्मा ने विमान क्रैश हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट किया- वायुसेना के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। घटना के तुरंत बाद से प्रशासन अलर्ट मोड पर है और राहत-बचाव कार्य के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

विमान क्रैश हादसे पर राज्यपाल ने व्यक्त किया शोक

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में हुए भारतीय वायुसेना के विमान क्रैश हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अर्पित की श्रद्धांजलि

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने विमान क्रैश में शहीद हुए पायलट और को-पायलट को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित

भारतीय वायु सेना ने ट्वीट किया, IAF का जगुआर ट्रेनर विमान आज राजस्थान के चूरू के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।

कैसे हुआ हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जगुआर विमान ने जोधपुर एयरबेस से नियमित ट्रेनिंग मिशन पर उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ समय बाद ही तकनीकी खराबी की सूचना मिली, जिसके बाद विमान का संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया। सुबह लगभग 9:15 बजे चूरू जिले के सरदारशहर के पास बिशनपुरा गांव में विमान क्रैश हो गया। गांव वालों के अनुसार, पहले जोरदार आवाज सुनाई दी, फिर आसमान में आग की लपटें और काला धुआं नजर आया। इसके बाद तेज धमाका हुआ और खेतों में विमान का मलबा गिरने लगा। हादसे के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया।

पायलट और को-पायलट की मौत

विमान में सवार स्क्वाड्रन लीडर और को-पायलट ने इमरजेंसी में बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। विमान से कुछ दूरी पर दोनों के शव क्षत-विक्षत हालत में मिले। गांव वालों ने तुरंत प्रशासन और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद वायुसेना की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद घटनास्थल को पूरी तरह सील कर दिया गया। सेना और एयरफोर्स के अधिकारी वहां पहुंचे और घटनास्थल से मलबा और ब्लैक बॉक्स इकट्ठा करना शुरू किया ताकि क्रैश की असली वजह का पता लगाया जा सके।

गांव में दहशत और अफरा-तफरी

बिशनपुरा गांव में जैसे ही धमाका हुआ, लोग घरों से बाहर निकलकर खेतों की ओर भागे। खेतों में विमान के टुकड़े जल रहे थे, और आसमान में धुआं भर गया था। कई जगह आग लग गई, जिसे गांव वालों और प्रशासन की टीम ने बुझाने की कोशिश की। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग घबराए हुए थे, कई लोग जोर-जोर से रोने लगे।

मलबा इकट्ठा करने में जुटी **वायुसेना और प्रशासन**

घटना की जानकारी मिलते ही चूरू पुलिस, जिला प्रशासन, एयरफोर्स और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने तुरंत क्षेत्र को घेरकर आम लोगों की आवाजाही रोक दी। वायुसेना के अधिकारियों ने मलबे के छोटे-छोटे टुकड़ों को भी इकट्ठा करना शुरू कर दिया ताकि हादसे की तकनीकी जांच में कोई कसर न रह जाए। ब्लैक बॉक्स को सुरक्षित निकालकर जोधपुर एयरबेस भेजा गया है, जिससे पता लगाया जाएगा कि विमान में किस तकनीकी खराबी के कारण यह हादसा हुआ।

हादसे के बाद वायुसेना ने क्या कहा

भारतीय वायुसेना ने अपने बयान में कहा कि एक जगुआर एयरक्राफ्ट ने नियमित ट्रेनिंग मिशन के लिए उड़ान भरी थी और उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी के कारण यह हादसा हुआ। घटना की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है। पायलट और को-पायलट की बहादुरी और सेवा को सलाम करते हुए वायुसेना ने परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ महागठबंधन का बिहार बंद: 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं

-12 हाईवे जाम, राहुल-तेजस्वी को EC ऑफिस जाने से रोका गया

पटना।बिहार में वोटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया को लेकर चल रहे विवाद के बीच महागठबंधन ने मंगलवार को बिहार बंद का आह्वान किया। इसके तहत राज्य के अलग-अलग हिस्सों में महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनों को रोका गया, 12 नेशनल हाईवे जाम कर दिए गए और जगह-जगह टायर जलाकर सड़क यातायात को बाधित किया गया। महागठबंधन का आरोप है कि वोटर वेरिफिकेशन के नाम पर गरीब, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के नाम लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। इसी के विरोध में यह बंद बुलाया गया था। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी विरोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे और यहां विरोध रैली में शामिल हुए। उनके साथ तेजस्वी यादव और VIP प्रमुख मुकेश सहनी भी शामिल हुए। इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। उन्हें यहां से आगे जाने की परमिशन नहीं दी गई। यहीं से कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद सभी नेता लौट गए। यहां से चुनाव आयोग का ऑफिस करीब 150 मीटर दूर था।

7 जगह ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम किए

बिहार बंद के दौरान 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, कटिहार, सुपौल, मधेपुरा, मोतिहारी, वैशाली, पटना और औरंगाबाद में लोग घंटों जाम में फंसे रहे। दरभंगा, भोजपुर, सुपौल, जहानाबाद, पटना, मुंगेर, अररिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों को रोका गया।

राहुल बोले- महाराष्ट्र की तरह बिहार चुनाव में चोरी की कोशिश

राहुल गांधी ने कहा, 'चुनाव आयोग मैं आपको साफ बोल रहा हूं। मैं बिहार और हिन्दस्तान की जनता को स्पष्ट कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था और वैसे ही बिहार को चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया इसलिए वे बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों के वोट छीनने का तरीका है।' 'ये बिहार है और बिहार की जनता ये नहीं होने देगी। हमारे लोग चुनाव आयोग से जाकर मिले। मैं नहीं जा पाया था। इलेक्शन कमीशन बीजेपी और RSS नेताओं की तरह बात कर रहे हैं।' 'वो भूल गए कि वो BJP नेता नहीं हैं। मैं कहता हूं आपको जो करना है करिए, लेकिन बाद में कानून आप पर हावी होगा।' बिहार बंद में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस, वाम दल, वीआईपी पार्टी और जन अधिकार पार्टी (पप्पू यादव) समेत महागठबंधन के 6 से ज्यादा दल शामिल हैं।

10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

बिहार में हो रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार हो गया है। 10 जुलाई को मामले की सुनवाई होगी। 5 जुलाई को गैर सरकारी संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने SC में याचिका दाखिल कर बिहार में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के चुनाव आयोग के आदेश को रद्द करने की मांग की है।

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को पटना में रोक दिया गया

महागठबंधन की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव ने पटना में चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च करने का ऐलान किया था। लेकिन पुलिस ने सुरक्षा का हवाला देते हुए उन्हें डाकबंगला चौराहे पर ही रोक दिया। इसके बाद दोनों नेताओं ने वहीं सड़क पर धरना देकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार पर लोकतंत्र खत्म करने का आरोप लगाया।

कहां-कहां दिखा बंद का असर

पटना, गया, आरा, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर और भागलपुर सहित 7 प्रमुख शहरों में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। रेलवे ट्रैक पर महागठबंधन समर्थकों ने बैठकर ट्रेनों को रोका। पटना-राजेंद्रनगर, गया-पटना और दरभंगा-पटना रूट की कई ट्रेनें घंटों तक खड़ी रहीं। 12 नेशनल हाईवे पर भी बंद समर्थकों ने जाम लगा दिया। पटना में एनएच-30 और एनएच-83 पर लंबा जाम लगा रहा। गया में जीटी रोड पर जाम की वजह से एंबुलेंस भी फंसी रही।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प

गया, आरा और दरभंगा में बंद समर्थकों और पुलिस के बीच कई बार झड़पें भी हुईं। पुलिस ने आरा में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। वहीं, दरभंगा में कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। पटना में डाकबंगला चौराहा और करगिल चौक पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने सख्ती दिखाई।

महागठबंधन का आरोप

तेजस्वी यादव ने कहा, "वोटर वेरिफिकेशन के नाम पर सरकार और चुनाव आयोग लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। गरीब, दलित और अल्पसंख्यक इलाकों में जाकर वोटर लिस्ट से नाम हटाए जा रहे हैं। यह संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है। बिहार की जनता इसके खिलाफ एकजुट है।"

राहुल गांधी ने कहा,

"देश में संविधान और लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है। सरकार वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर गरीबों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को वोट देने से रोकना चाहती है। हम इसके खिलाफ सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ेंगे।"

चुनाव आयोग ने दी सफाई

इस पूरे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने कहा कि वोटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया रूटीन प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें गलत, डुप्लिकेट या मृत व्यक्तियों के नाम हटाए जाते हैं। आयोग ने यह भी कहा कि किसी भी नागरिक का नाम बिना वैध प्रक्रिया के नहीं हटाया जाएगा।

गुजरात हादसा: पुल टूटने से नदी में गिरीं गाड़ियां, 9 की मौत, प्रशासन पर लापरवाही के आरोप

गुजरात। गुजरात में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब राजकोट जिले में भोगावो नदी पर बना पुराना पुल अचानक टूट गया। इस हादसे में उस समय पुल से गुजर रही कई गाड़ियां, बाइक और लोग नदी में गिर गए। अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 8 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। कई अन्य लोगों के लापता होने की भी आशंका है। हादसे के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं।। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू के लिए भेजी गई हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज मध्य गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता था। पुल टूट जाने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड जैसे दक्षिण गुजरात के शहरों से सौराष्ट्र पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। अब इसके लिए अहमदाबाद होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ेगा। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और PMNRF (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से मृतकों के परिजनों को ₹2 लाख और घायलों को ₹50,000 की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

लोगों ने कहा, हादसे के लिए प्रशासन जिम्मेदार

हादसे के बाद तुरंत ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया। एक स्थानीय युवक ने बताया, 'हम सुबह से ही बचाव अभियान चला रहे हैं। अब तक 9 शव बरामद हुए हैं, जिनमें से एक बच्चा है और एक बच्चा लापता है। इस दौरान हमें प्रशासन और अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली है।' इनका कहना है कि 45 साल पुराने इस पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन को कई बार सूचित किया जा चुका है। प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण आज यह हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस हादसे के लिए पूरी तरह से प्रशासन ही जिम्मेदार है। बाइक के साथ मैं और मेरा दोस्त नदी में गिरे: हादसे में घायल राजूभाई अठिया ने बताया, "मैं और मेरा दोस्त द्वारका से अंकलेश्वर जा रहे थे। हम पुल पर थे तभी वह अचानक ढह गया और हम बाइक समेत नदी में गिर गए। मैं पानी से बाहर निकला और एक गाड़ी के ऊपर चढ़कर बैठ गया। मेरा दोस्त लापता है। थोड़ी देर बाद लोग नाव लेकर मदद के लिए आए।"

बाइक के पंक्चर होने से जान बच गई:

ब्रिज से गुजर रहे महेशभाई परमार (उम्र 23) भी इस घटना में बाल-बाल बच गए। महेश ने बताया, 'हम दो दोस्त काम पर जा रहे थे। पुल के पास ही बाइक पंक्चर हो गई। पंक्चर ठीक करवाने के बाद हम ब्रिज पर जैसे ही पहुंचे, तभी अचानक पुल टूट गया। हम तीन-चार गाड़ियों के पीछे थे। देखा तो एक इको कार, एक पिकअप और एक ट्रक पुल से नीचे गिर गए थे। नीचे चीख-पुकार मची थी।'

गाड़ियां गिरते ही मैंने ब्रेक लगाया:

हादसे के चश्मदीद 25 साल के संजयभाई सोमाभाई चावड़ा ने बताया कि हम तीन दोस्त बाइक से काम पर जा रहे थे। तभी अचानक मुझे ब्रेक लगाना पड़ा, क्योंकि पुल बीच में से टूट गया था। ब्रेक नहीं लगाते तो हम भी हादसे का शिकार हो गए थे। एक महिला डूबती दिखी, हमने उन्हें बचा लिया: स्थानीय अतुल पढियार ने कहा कि हादसे की खबर मिलते ही मैं और मेरे एक साथी तुरंत रिक्शा लेकर वहां पहुंचे। हमने देखा कि लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे। एक महिला को डूबते देखा। हम फौरन नदी में पहुंचे और उन्हें बाहर निकाला, उनकी जान बच गई है। अतुल ने बताया कि दो-तीन ड्राइवरों के हाथ-पैर में चोटें आईं। उन्हें अस्पताल भेज दिया गया है। हमने और आसपास के कुछ लोगों ने सात-आठ लोगों को नदी से बाहर निकाला।

कैसे हुआ हादसा

यह पुल राजकोट से जसदान को जोड़ने वाले रास्ते पर भोगावो नदी पर बना था। पिछले कुछ दिनों से गुजरात के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही थी और नदी में भी जलस्तर बढ़ा हुआ था। सुबह करीब 7:30 बजे पुल पर कई गाड़ियां गुजर रही थीं, तभी अचानक पुल का एक बड़ा हिस्सा बीच में से टूट कर गिर गया। इससे करीब 4 कारें, 3 बाइक और एक ऑटो सीधे नदी में जा गिरे। हादसा इतना अचानक हुआ कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और गाड़ियां पानी में समा गईं।

9 लोगों की मौत, 8 को बचाया गया

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू ऑपरेशन में गोताखोरों की मदद ली गई और करीब 8 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, पानी में फंसे और गाड़ियों में दबे 9 लोगों के शव बाहर निकाले गए। मृतकों में 3 महिलाएं और 2 बच्चे भी शामिल हैं। फिलहाल, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

पुल टूटने से सौराष्ट्र का संपर्क टूटा

इस पुल के टूट जाने से मध्य गुजरात का सौराष्ट्र से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया है। राजकोट से जसदान और अमरेली की ओर जाने वाली सड़क पूरी तरह बंद हो गई है।

बारिश का कहर: अयोध्या में घर डूबे, वाराणसी के घाट जलमग्न; प्रयागराज में 4 मौतें

-उत्तराखंड में बादल फटा, MP में नर्मदा उफान पर, नागपुर में नाव से बचाए लोग

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। UP में बुधवार को भारी बारिश जारी है। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है। मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। हालात को देखते हुए नागपुर नगर निगम ने राफ्ट (नाव) की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। उत्तराखंड में मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। SDRF ने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है। सर्च जारी है। अगले चार दिन राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावना है। भारत में मानसून सक्रिय होने के साथ ही देश के कई राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ का कहर लगातार बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है, वाराणसी में घाट डूब चुके हैं, प्रयागराज में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई, उत्तराखंड में बादल फटने से भारी तबाही मची, मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और नागपुर में बाढ़ में फंसे लोगों को नाव से रेस्क्यू किया गया। आइए, हर राज्य की स्थिति विस्तार से जानते हैं:

अयोध्या में घरों में पानी घुसा, लोग सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट

अयोध्या में सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर की कई गलियों और घरों में पानी घुसने से लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने राहत कार्य शुरू कर दिया है और जिन इलाकों में पानी अधिक है, वहां नाव के जरिए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। नगर निगम की टीमें लगातार पंपिंग मशीन से पानी निकालने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन लगातार बारिश और नदी का जलस्तर बढ़ने से समस्या कम नहीं हो रही है।

वाराणसी में घाट डूबे, गंगा का जलस्तर बढ़ा

वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट और पंचगंगा घाट समेत कई घाट पानी में डूब गए हैं। स्नान और पूजा करने आने वाले श्रद्धालुओं को प्रशासन ने चेतावनी दी है कि वे नदी के पास न जाएं। नाव चलाने पर भी रोक लगा दी गई है। स्थानीय दुकानों और छोटे व्यवसायियों को घाटों से सामान हटाने के निर्देश दिए गए हैं। गंगा में जलस्तर बढ़ने के कारण कई नावें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

प्रयागराज में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 4 मौतें

प्रयागराज में पिछले 48 घंटों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश और जलभराव के कारण दीवार गिरने और करंट लगने की घटनाओं में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। शहर के निचले इलाकों में जलभराव होने से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। स्कूलों को भी अगले आदेश तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम की टीमें जलभराव हटाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन रुक-रुक कर बारिश फिर से हालात बिगाड़ दे रही है।

उत्तराखंड में बादल फटने से तबाही, कई घर और पुल बह गए

उत्तराखंड के टिहरी और उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना सामने आई है। तेज बारिश और बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए हैं और कई पुल टूट गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है। रेस्क्यू टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए अस्थायी शिविर स्थापित किए हैं। अब तक की जानकारी के अनुसार कई लोग लापता हैं और उनकी तलाश के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं।

मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी में बाढ़, निचले इलाकों में पानी घुसा

मध्य प्रदेश में लगातार बारिश से नर्मदा नदी में बाढ़ आ गई है। जबलपुर, होशंगाबाद और नर्मदापुरम के कई निचले इलाके पानी में डूब गए हैं। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए हैं। कुछ स्थानों पर नाव के जरिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। नर्मदा के किनारे बने कई मंदिरों और घाटों पर पानी भर गया है। किसानों की फसलें भी बाढ़ के पानी में डूब गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

PM मोदी को नामीबिया में 21 तोपों की सलामी: 27 साल बाद पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री

-एयरपोर्ट पर कलाकारों ने ढोल बजाकर किया स्वागत

विंडहोक,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के देश नामीबिया दौरे पर हैं। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह ने राजधानी विंडहोक स्थित स्टेट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नामीबिया में ऐतिहासिक स्वागत हुआ, जहां उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। नामीबिया के होजिया कुटाको अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जैसे ही पीएम मोदी का विमान उतरा, वहां पारंपरिक कपड़ों में कलाकारों ने ढोल-नगाड़े और पारंपरिक नृत्य के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी 27 साल बाद नामीबिया की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। इससे पहले 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नामीबिया का दौरा किया था। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाकर एक दूसरे का अभिवादन किया। PM मोदी को 21 तोपों की सलामी दी गई। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर मिला। विंडहोक एयरपोर्ट पर मोदी का पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया गया। PM ने कलाकारों के साथ ढोल भी बजाया। नामीबिया में प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली और किसी भारतीय प्रधानमंत्री की तीसरी यात्रा है। 27 सालों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री नामीबिया दौरे पर है। इससे पहले 1998 में तत्कालीन PM अटल बिहारी वाजपेयी नामीबिया गए थे। 1990 में उस वक्त PM रहे वीपी सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सहित बड़े नेता नामीबिया के पहले स्वतंत्रता दिवस पर वहां गए थे।

नामीबिया से डायमंड- यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा संभव

PM मोदी नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा पर गए हैं। PM मोदी और राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के बीच डायमंड, जरूरी खनिजों और यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा की संभावना है। इसके अलावा मोदी नामीबिया की संसद को भी संबोधित करेंगे। मोदी का नामीबिया दौरा 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा का हिस्सा है, जिसमें घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया शामिल हैं। नामीबिया हीरा, यूरेनियम, तांबा, फॉस्फेट और अन्य खनिजों से समृद्ध देश है।

नामीबिया में सबसे ज्यादा समुद्री हीरा, भारत को डायरेक्ट नहीं देता

नामीबिया में दुनिया का सबसे ज्यादा समुद्री हीरे का भंडार है। यहां समुद्र के नीचे लगभग 80 मिलियन कैरेट से ज्यादा हीरा मौजूद है। हालांकि, नामीबिया भारत को कच्चा हीरा डायरेक्ट एक्सपोर्ट नहीं करता है। इसके बजाय, ये लंदन, एंट्वर्प और दूसरे वैश्विक व्यापार केंद्रों से होते हुए भारतीय तटों तक पहुंचते हैं। PM मोदी की यात्रा हीरे के डायरेक्ट खरीद-बिक्री के लिए आधार तैयार करने में मदद कर सकती है। खासकर इसलिए क्योंकि भारत की कई डायमंड प्रोसेसिंग कंपनियां पहले से ही नामीबिया में काम कर रही हैं। भारत ने नामीबिया में माइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग, डायमंड प्रोसेसिंग और सर्विसेज सहित कई क्षेत्रों में 800 मिलियन डॉलर (लगभग ₹6,600 करोड़) से ज्यादा का निवेश किया है। हीरे के अलावा, नामीबिया में कोबाल्ट, लिथियम और दुर्लभ मृदा तत्व (Rare Earth Elements) और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो क्लीन एनर्जी की तरफ बढ़ने में भारत के लिए जरूरी है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,